मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 79
रविवार, 28 सितम्बर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

2020 की कसर इस बार पूरी करनी है, घुसपैठियों को बिहार से करेंगे बाहरः अमित शाह

पटना, 27 सितम्बर। बिहार चुनाव को लेकर भाजपा अपनी तैयारियों में जुटी हुई है। इसी बीच गृह मंत्री अमित शाह ने बिहार के अररिया में सहरसा, पूर्णिया और भागलपुर मंडल कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मैं आप सभी को हार्दिक साधुवाद देता हूं, क्योंकि 2020 के विधानसभा चुनाव में किशनगंज को छोड़कर हर जिले में हमारा गठबंधन नंबर एक पर रहा। नौगछिया, भागलपुर और बांका में हम नंबर एक पर रहे। अररिया, पूर्णिया और कटिहार में भी हम नंबर एक पर रहे। सुपौल, सहरसा और मधेपुरा में भी हम नंबर एक पर रहे। शाह ने कहा कि अगर आप एक बार ठऊअ को दो-तिहाई बहुमत से जीत दिला दें, तो मैं आपको वादा करता हूँ कि बिहार की धरती से घुसपैठियों को बाहर निकालने का काम हम करेंगे। हमारे लिए यह चुनाव कोसी क्षेत्र को हमेशा के लिए बाढ़ मुक्त करने का चुनाव है। उन्होंने कहा कि हम सबको यह तय करना है कि इस बार दीपावली में जो कुछ भी खरीदा जाएगा, वह पूरी तरह स्वदेशी होगा। भारतवासियों को यह संकल्प लेना है कि हम स्वदेशी अपनाएंगे।

अमित शाह ने कहा कि लालू एंड कंपनी ने बिहार को लूटा, ढेर सारे घोटाले किए, और कांग्रेस ने

भी देश को लूटा। पिछले 11 सालों से देश में नरेंद्र मोदी जी की सरकार है, और हमारे विरोधी हम पर एक पैसे का भी भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगा पाए हैं। उन्होंने कहा कि अभी राहुल बाबा बिहार आए थे और यहां उन्होंने यात्रा भी निकाली। राहुल बाबा चाहते हैं कि घुसपैठियों को मताधिकार मिले। उन्होंने कहा कि राहुल बाबा कान खोलकर सुन लो, बिहार क्या... कहीं भी यात्रा निकाल लो, भाजपा का संकल्प है कि हम एक-एक घुसपैठिए को बाहर करेंगे। राहुल बाबा और लालू की पार्टियां घुसपैठियों को बचाना चाहती हैं, और हम घुसपैठियों को बाहर निकालना चाहते हैं। भाजपा नेता ने कहा कि ये चुनाव बिहार को प्रगति के रास्ते पर ले जाने का है। बिहार से घुसपैठियों को बाहर निकालने का है। जंगलराज को वापस न आने देने का है। उन्होंने कहा कि राहुल और लालू के लिए यह चुनाव अपनी पार्टी को जिताने का है। लालू के बेटे को मुख्यमंत्री बनाने का है। लेकिन हम सभी भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए, यह चुनाव पूरे बिहार से घुसपैठियों को बाहर निकालने का है। एनडीए को दो-तिहाई बहुमत से जिताइए, मैं आपसे वादा करता हूँ कि भाजपा इन घुसपैठियों को बिहार की पावन धरती से खदेड़ने का काम करेगी।

स्वदेशी स्टैक पूरे विश्व को संदेश, अब सिर्फ सेवा प्रदाता नहीं बल्कि तकनीक उत्पादक भी है भारत: सिंधिया

गुवाहाटी/नई दिल्ली, 27 सितम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज शनिवार को उडीसा के झारसुगुड़ा से देश के पूर्ण स्वदेशी 4जी स्टैक और बीएसएनएल के 1 लाख स्वदेशी 4जी टावरों का लोकार्पण किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया असम से वर्चुअली कार्यक्रम से जुड़े और इस उपलब्धि के महत्व को साझा किया। केन्द्रीय मंत्री ने इस अवसर पर कहा कि संचार विभाग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प के तहत अपना स्वदेशी 4जी स्टैक बनाने का प्रण लिया और मात्र 22 महीनों में आज भारत अपना स्वदेशी स्टैक बनाने में सफल रहने वाले विश्व के एलीट क्लब में जा पहुंचा है। यह पूरे देश के लिए गौरवमयी क्षण है जब भारत

दूरसंचार क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्वकर्ता बनने की ओर अग्रसर हो रहा है।

उडीसा के साथ विभिन्न राज्यों में टावर्स का लोकार्पण हुआ जहां से विभिन्न नेतागण कार्यक्रम से जुड़े। उड़ीसा में मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी आंध्र प्रदेश में केन्द्रीय मंत्री राम मोहन नायडू, चंद्रशेखर पेम्मासानी, मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू, उत्तर प्रदेश में केन्द्रीय मंत्री पंकज चौधरी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, महाराष्ट्र में केन्द्रीय मंत्री रक्षा निखिल खड़से, मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे एवं अजीत पवार, राजस्थान में केन्द्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, असम में मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा, गुजरात में केन्द्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और बिहार में केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शामिल रहे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वदेशी 4जी स्टैक को जनता को समर्पित करते हुए कहा कि तमाम कठिनाइयों के बावजूद भारत के विशेषज्ञों और संचार विभाग ने महज 22 महीनों में भारत ने अपना पूर्ण स्वदेशी 4जी स्टैक तैयार कर लिया है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री ने सैनिकों के लिए फुटओवर ब्रिज की आधारशिला रखी

नई दिल्ली, 27 सितम्बर। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को राजपूताना राइफल्स रेजिमेंट सेंटर पर फुटओवर ब्रिज की आधारशिला रखी। मुख्यमंत्री गुप्ता ने संवाददाताओं से कहा यह हमारे बहादुर सैनिकों के लिए दिवाली का तोहफा है, जिन्हें पहले सड़क पार करने के लिए सड़क के नीचे बने बेहद नीची और गंदी सुरंग से होकर गुजरना पड़ता था। जैसे ही राजपूताना राइफल्स की टीम ने हमें इस समस्या की जानकारी दी, हमारी सरकार ने तुरंत इसपर कार्रवाई कर फुटओवर ब्रिज के निर्माण के लिए स्वीकृति दे दी।

रिंग रोड स्थित राजपूताना राइफल्स रेजिमेंट सेंटर पर

फुटओवर ब्रिज (एफओबी) की लंबे समय से लंबित मांग को अब पूरा करने के लिये लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने काम शुरू कर दिया है। फिलहाल सैनिकों के वास्ते रेजिमेंट सेंटर और बैरकों के बीच आने-जाने के लिए कोई अंडरपास या पुल नहीं है, जिसके कारण उन्हें भूमिगत नाले का इस्तेमाल करना पड़ता है।

मुख्यमंत्री ने कहा, पिछली सरकार ने हमारे सैनिकों की इस मांग को नजरअंदाज किया, या शायद इसलिए कि वे हमारे सैनिकों के महत्व को समझ नहीं पाए। जो भी कारण रहा हो, हमारी सरकार ने अब फुटओवर ब्रिज (एफओबी) के निर्माण के लिए निविदा जारी कर दी है और काम जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा। यह कार्यक्रम दिल्ली सरकार द्वारा आयोजित सेवा पखवाड़ा का हिस्सा था, जिसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के सम्मान में आयोजित किया गया।

ऐसा सबक सिखाएंगे कि आने वाली पीढ़ी दंगा करना भूल जाएगी: योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, 27 सितम्बर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक दिन पहले बरेली में पुलिस और स्थानीय लोगों के बीच हुई झड़प को लेकर कड़ा रुख अख्तार करते हुए शनिवार को कहा कि (दंगाइयों को) ऐसा सबक सिखाएंगे कि आने वाली पीढ़ी दंगा करना भूल जाएगी। एक मीडिया संस्थान के विकसित उत्तर प्रदेश विजन-2024 कार्यक्रम में बरेली मामले को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने सख्त संदेश दिया है कि कानून-व्यवस्था में खलल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उन्होंने चेतावनी भरे अंदाज में बिना किसी का नाम लिए कहा, कल आपने बरेली के अंदर देखा होगा... वो मौलाना भूल गया कि शासन किसका है, उसने सोचा

कि धमकी देंगे और जाम कर देंगे, मैंने कहा जाम नहीं होगा, कर्फ्यू नहीं लगेगा... सबक तुम्हें ऐसा सिखा देंगे कि तुम्हारी आने वाली पीढ़ी दंगा करना भूल जाएगी। योगी की यह चेतावनी इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल के प्रमुख मौलवी तौकीर रजा खान की तरफ प्रतीत हो रही है, जिन्होंने शुरूआत में आई लव मोहम्मद अभियान के समर्थन में विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था।

बरेली में शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद एक मस्जिद के बाहर इकट्ठा हुए स्थानीय लोगों और पुलिस के बीच झड़प हो गई। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने पुष्टि की थी कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 लागू है, जिसके तहत किसी भी मार्च या प्रदर्शन के लिए लिखित अनुमति आवश्यक है। इसके बावजूद कुछ लोग सड़कों पर उतर आए और शांति भंग करने का प्रयास किया, जिसके कारण पुलिस ने कड़ी कार्रवाई की और 24 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया।

पुलिस ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि स्थानीय धर्मगुरु और इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल के प्रमुख मौलाना तौकीर रजा के आह्वान पर कई प्रदर्शनकारी आई लव मोहम्मद अभियान के समर्थन में मस्जिद के बाहर इकट्ठा हुए थे। इस विवाद का संबंध नौ सितंबर को कानपुर में दर्ज की गई प्राथमिकी से है। कानपुर पुलिस ने चार सितंबर को बारावफात के जुलूस के दौरान कानपुर की सड़क पर कथित तौर पर आई लव मोहम्मद लिखा बोर्ड लगाने के आरोप में नौ नामजद और 15 अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी।

मुख्यमंत्री ने जनसभा के पीछे की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा, व्यवस्था को ठप करने का यह कैसा तरीका है? 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में यही चलन था, लेकिन 2017 के बाद हमने कर्फ्यू तक नहीं लगने दिया। उत्तर प्रदेश के विकास की कहानी यहीं से शुरू होती है। योगी आदित्यनाथ ने पूर्ववर्ती सरकारों पर परिवारवाद और भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि चाचा-भतीजा वसूली के धंधे में लिप्त थे और हर जिले में एक माफिया को समानांतर सत्ता संचालित करने की छूट दी गई थी। उन्होंने कटाक्ष किया कि सत्ता के शीर्ष पर बैठे लोग माफियाओं के सामने नतमस्तक थे।

रायपुर में इस्पात संयंत्र में हादसा, छह लोगों की मौत

रायपुर, 27 सितम्बर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में शुक्रवार को एक निजी इस्पात संयंत्र में हुए हादसे में चार अधिकारियों और दो कर्मचारियों की मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस घटना में एक महाप्रबंधक समेत छह लोग घायल हुए हैं।

रायपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) लाल उमेद सिंह ने ह्यपीटीआई-भाषाह्न को बताया कि यह घटना राजधानी के बाहरी इलाके सिलतरा क्षेत्र में स्थित गोदावरी पावर एंड इस्पात लिमिटेड के संयंत्र में हुई। सिंह ने बताया कि शाम करीब 4.30 बजे घटना की सूचना मिलने के बाद, पुलिस दल को मौके पर भेजा गया और बचाव अभियान शुरू किया गया।

रायपुर जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लखन पटले ने बताया, संयंत्र में भट्ठी पिछले कुछ दिनों से बंद थी। शुक्रवार को उच्च दबाव वाले पानी का उपयोग करके भट्ठी की दीवार और छत पर जमा स्लैग (अपशिष्ट उत्पाद) की मोटी परत को हटाने के लिए सफाई का काम चल रहा था। अचानक स्लैग का मोटा जमाव ढह गया, जिससे नीचे मौजूद लोग फंस गए।

उन्होंने बताया कि बचाव अभियान के दौरान मलबे से छह श्रमिकों के शव निकाले गए। वहीं छह घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। संयंत्र प्रबंधन के एक अधिकारी ने बताया कि घटना दोपहर लगभग तीन बजे हुई और घायलों को तत्काल संयंत्र के भीतर स्थित स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जिसके बाद उन्हें अस्पताल भेज दिया गया।

उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान प्रबंधक जीएल प्रसन्न कुमार और कालीगोटला प्रसन्न कुमार, सहायक प्रबंधक घनश्याम घोरमारे और निराकार मलिक तथा दो सहायक तुलसी राम भट्ट और नारायण साहू के रूप में हुई है।अधिकारी ने बताया कि इस घटना में महाप्रबंधक ए चक्रधर राव, वरिष्ठ तकनीशियन दीपेंद्र महतो, कनिष्ठ तकनीशियन चंद्र प्रकाश पटेल और तीन अन्य श्रमिक घायल हुए हैं। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है तथा अधिकारियों को घायलों के लिए बेहतर चिकित्सा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है तथा ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति एवं शोक संतप्त परिजनों को संबल प्रदान करने की प्रार्थना की है।

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए सम्पर्क करेः 9199355950

गुजरात के मोरबी में पानी से भरे गड्ढे में तीन बच्चे डूबे

मोरबी। गुजरात के मोरबी जिले में शुक्रवार दोपहर एक फैक्टरी के निकट पानी से भरे गड्ढे में भाई-बहन समेत तीन बच्चे डूब गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। मोरबी तालुका थाने के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना पनेली रोड के पास हुई। उन्होंने बताया कि कुलदीप (छह), उसकी बहन खुशबू (चार) और उनकी दोस्त प्रतिज्ञा (पांच) अपराह्न करीब तीन बजे गड्ढे के पास खेल रहे थे कि तभी यह हादसा हुआ। अधिकारी ने बताया कि स्थानीय निवासियों ने उन्हें पास के अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि मामले की जांच जारी है।

विश्व पर्यटन दिवस-27 सितम्बर, 2025 पर विशेष

विश्व पर्यटकों के लिये अनंत संभावनाओं का देश है भारत

-ललित गर्ग

विश्व पर्यटन दिवस- 27 सितम्बर, 2025 इस बात का स्मरण कराता है कि पर्यटन केवल मनोरंजन का साधन भर नहीं है, बल्कि यह किसी भी राष्ट्र की आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक प्रगति का आधार स्तंभ है। इस वर्ष की थीम कुछ स्रोतों में ह्यपर्यटन औरं हरित निवेश या पर्यटन और सतत परिवर्तन बतायी जा रही है जिसका उद्देश्य पर्यटन को स्थिरता और समावेशिता के साथ बढ़ावा देना है। यह थीम स्थायी पर्यटन के लिए हरित निवेश की तत्काल आवश्यकता पर जोर देती है, जो समुदायों और ग्रह दोनों के लिए फायदेमंद है। जिसके माध्यम से, पर्यटन में वैश्विक सहयोग और टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा दिया जाएगा, जिसमें हरित निवेश, नवीकरणीय ऊर्जा और पर्यावरणीय दुष्प्रभाव को कम करना शामिल है। यह दिवस मनाते हुए भारत की पर्यटन संभावनाओं पर चिन्तन-मंथन करना जरूरी है। क्योंकि भारत जैसे विविधताओं से भरे देश में पर्यटन की संभावनाएं अनंत हैं। यहाँ हिमालय की बर्फीली चोटियों से लेकर गोवा और अंडमान के समुद्र तटों तक, काशी और बोधगया की आध्यात्मिक आभा से लेकर अजमेर और पुष्कर की आस्था तक, केरल के बैकवाटर्स से लेकर राजस्थान के रेगिस्तान तक हर अनुभव अपने आप में अद्वितीय है। यही कारण है कि भारत का पर्यटन उद्योग आज नई उड़ान भर रहा है और वैश्विक मानचित्र पर अपनी पहचान बना रहा है। विश्व पर्यटन दिवस दुनिया के प्रमुख पर्यटन स्थलों की यात्रा के लिये तो आमंत्रित करता ही है, लेकिन भारत की विविधता और बहुसंस्कृतिवाद के कारण दुनिया के पर्यटकों के लिये विशेष आकर्षक का केन्द्र बन रहा है। जो जीवन में खुशियां एवं मुस्कान देने वाले पर्यटन के महत्व को उजागर भी करता है। आर्थिक विकास और सांस्कृतिक कूटनीति को बेहतर बनाने के लिए पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने की पहल बदलते समय के साथ विश्व पर्यटन दिवस नई पहलों, नीतिगत सुधारों और क्षेत्र की उपलब्धियों का जश्न मनाने पर ध्यान केंद्रित करने वाले दिन के रूप में विकसित हुआ है। इसका उद्देश्य रोजगार सृजन, विश्व मानवता को बल देना, युद्धमुक्त वातावरण और विविध वैश्विक सांस्कृतिक विरासत और डिजिटल परिवर्तन को बढ़ावा देकर विश्व समुदायों को सशक्त बनाना है। भारत में पर्यटन के आर्थिक प्रभाव बेहद व्यापक हैं। यह भारत की जीडीपी में महत्वपूर्ण योगदान देता है और करोड़ों लोगों के लिए रोजगार का सबसे बड़ा साधन बन चुका है। गाँवों और कस्बों तक पर्यटन का असर पहुँच रहा है, जिससे स्थानीय हस्तशिल्प, लोककला और खानपान को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिल रही है। विदेशी पर्यटक न केवल हमारी संस्कृति और आध्यात्मिकता से प्रभावित होते हैं। पर्यटन के सामाजिक प्रभाव भी उल्लेखनीय हैं। यह सांस्कृतिक आदान-प्रदान का माध्यम बनकर विभिन्न धर्मों, भाषाओं और परंपराओं के बीच सद्भाव और भाईचारे को बढ़ाता है। महिला सशक्तिकरण और युवा उद्यमिता को पर्यटन ने नया आयाम दिया है। होम-स्टे, गाइडिंग, हस्तशिल्प और लोक-कलाओं में महिलाओं और युवाओं की सक्रिय भागीदारी से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बल मिल रहा है। यही नहीं, ग्रामीण पर्यटन ने गाँवों को विकास के नए अवसर प्रदान किए हैं और पलायन की समस्या को कम करने की क्षमता दिखाई है।

राजनीतिक और अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य से भी पर्यटन भारत की सॉफ्ट पावर को मजबूत करता है। ह्यइनक्रेडिबल इंडिया और ह्यदेखो अपना देश जैसे अभियानों ने भारत की वैश्विक पहचान को और गहरी किया है। हाल के वर्षों में भारत ने जी-20 जैसे आयोजनों के जरिए अपने पर्यटन स्थलों की भव्यता और सांस्कृतिक विरासत को दुनिया के सामने प्रस्तुत किया, जिससे न केवल राजनीतिक विश्वास बढ़ा बल्कि भारत की सांस्कृतिक शक्ति का विस्तार भी हुआ। पड़ोसी देशों के साथ बौद्ध और आध्यात्मिक सर्किट की योजनाओं ने भारत को एशिया का आध्यात्मिक केंद्र स्थापित करने में मदद की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पर्यटन को भारत की शक्ति बनाने का संकल्प लिया है। उन्होंने ह्यभारत जोड़ो यात्रा, ह्यदेखो अपना देश अभियान और ह्यप्रोजेक्ट आध्यात्मिक सर्किट जैसी योजनाओं के माध्यम से पर्यटन को जन-आंदोलन का रूप दिया है। योग और आयुर्वेद को विश्वभर में लोकप्रिय बनाने के उनके प्रयासों ने भारत को हेल्थ और वेलनेस टूरिज्म का प्रमुख केंद्र बना दिया है। मोदी सरकार स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट्स, हवाई अड्डों का विस्तार, चारधाम परियोजना, उच्च गति रेल और भारतमाला जैसी योजनाएं पर्यटन को नई सुविधाओं से जोड़ रही हैं। प्रधानमंत्री का यह मानना है कि भारत का हर गाँव और हर शहर अपने आप में एक अनोखा पर्यटन स्थल है और उसकी कहानी दुनिया तक पहुँचाई जानी चाहिए। आज जब डिजिटलाइजेशन ने पर्यटन को नई दिशा दी है, ऑनलाइन टिकटिंग, वर्चुअल टूर और एआई आधारित यात्रा मार्गदर्शन ने पर्यटन को आधुनिक युग से जोड़ दिया है। सस्टेनेबल टूरिज्म पर जोर देकर यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि प्रकृति और संस्कृति दोनों की सुरक्षा बनी रहे। मिलेनियल्स और नई पीढ़ी अनुभव-आधारित और साहसिक पर्यटन की ओर आकर्षित हो रही है और भारत इस अवसर को भुनाने में आगे बढ़ रहा है। भारत विश्व स्तर पर पांचवां सबसे बड़ा यात्रा और पर्यटन बाजार बनने के लिए तैयार है। भारत में पर्यटन क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा है और 2027 तक तीसरा सबसे बड़ा घरेलू बाजार बनने की उम्मीद है। 2023 में, भारत में पर्यटन पर होने वाला खर्च 2019 के 127 बिलियन डॉलर से बढ़कर 174 बिलियन डॉलर तक पहुँच गया। सबसे ज्यादा पर्यटक तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र सहित 5 राज्यों में गए, जहाँ कुल मिलाकर 65 प्रतिशत पर्यटक आए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता से धार्मिक पर्यटन को नये पंख लगे हैं, अयोध्या में बना भगवान श्रीराम का मन्दिर एवं प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ ने धार्मिक पर्यटन के नये कीर्तिमान स्थापित किये हैं। धार्मिक पर्यटन आर्थिक उन्नति और सांस्कृतिक आदान-प्रदान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। धार्मिक पर्यटन की संभावनाओं का अधिकतम लाभ लेने के लिए ऐसी सभी जगहों को बेहतरीन बुनियादी सुविधाओं, सड़क और एयर कनेक्टिविटी, आने वालों की सुरक्षा और सेवा दी जा रही है। भारत असंख्य पर्यटन अनुभवों और मोहक स्थलों का देश है। चाहे भव्य स्मारक हों, प्राचीन मंदिर या मकबरे हों, नदी-झरने, प्राकृतिक मनोरम स्थल हो, इसके चमकीले रंगों और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रौद्योगिकी से चलने वाले इसके वर्तमान से अटूट संबंध है। केरल, शिमला, गोवा, आगरा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, मथुरा, काशी जैसी जगहें तो अपने विदेशी पर्यटकों के लिए हमेशा चर्चा में रहती हैं। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अयोध्या एवं काशी की कायाकल्प करके दुनियाभर के पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित किया है। भारत में अपने लोगों के साथ लाखों विदेशी लोग प्रतिवर्ष भारत घूमने आते हैं। भारत में पर्यटन की उपयुक्त क्षमता है। यहां सभी प्रकार के पर्यटकों को चाहे वे साहसिक यात्रा पर हों, सांस्कृतिक यात्रा पर या वह तीर्थयात्रा करने आए हों या खूबसूरत समुद्री-तटों की यात्रा पर निकले हों, सबके लिए खूबसूरत जगहें हैं। दिल्ली, मुंबई, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, दक्षिण भारत के अनेक राज्यों में तो लोगों को घूमते-घूमते महीना बीत जाते हैं। भारत अपनी समृद्ध सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, प्राकृतिक धरोहर के कारण दुनिया के प्रमुख पर्यटन देशों में शुमार होता है। यहां के हर राज्य की अलौकिक और विलक्षण विशिष्टताएं हैं जो पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। उन पर्यटकों के लिए भारत-यात्रा का विशेष आकर्षण है जो शांत, जादुई, सौंदर्य और रोमांच की तलाश में रहते हैं। इन पर्यटकों के लिये भारत में विपुल यात्रा साहित्य अपनी एक विशेष पहचान और उपयोगिता को लेकर प्रस्तुत होता रहा है। पुखराज सेठिया की पुस्तक आओ घूमे अपना देश एक सार्थक एवं उपयोगी पुस्तक है। विश्व पर्यटन दिवस हमें यह संदेश देता है कि भारत के पास विश्व को दिखाने के लिए अनंत वैभव और विविधता है। यदि हम पर्यावरण संरक्षण, आधुनिक सुविधाओं और वैश्विक मानकों को ध्यान में रखते हुए पर्यटन का विकास करें तो आने वाले समय में भारत न केवल एक पर्यटन शक्ति बनेगा बल्कि अपनी आध्यात्मिक विरासत और सांस्कृतिक धरोहर से विश्व का नेतृत्व भी करेगा।

क्या पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच संबंध आपसी जरूरतों पर आधारित हैं?

अशोक भाटिया

सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच हुआ रक्षा समझौता क्या वर्ल्ड ऑर्डर में एक बड़े बदलाव का संकेत है? सवाल यह इस कारण है कि क्या पश्चिम एशिया में खासतौर से जो देश अमेरिका की गुड बुक्स में रहे हैं, उनका भरोसा उससे हट रहा है ?सऊदी-पाकिस्तान समझौते के पीछे सबसे बड़ा फैक्टर है कतर पर किया गया इजरायल का हमला। कतर अमेरिका का पुराना सहयोगी है। यहां साल 2000 से अमेरिकी सैन्य अड्डा है। कतर की राजधानी दोहा के पास मौजूद अल उदैद एयरबेस पश्चिम एशिया में अमेरिकी सेंट्रल कमांड के एयर ऑपरेशंस का मुख्यालय है। यहां करीब 8,000 अमेरिकी सैनिक तैनात हैं। कतर को लगता था कि इस वजह से वह इजरायल समेत किसी भी देश के हमले से महफूज है।मगर जब दोहा में हमास के नेताओं को मारने के लिए इजरायल ने हमला बोला, तो उसका यह भरोसा टूट गया। सऊदी अरब को भी लग रहा कि वह भी सुरक्षित नहीं है, क्योंकि इजरायल की मिसाइलें सऊदी के एयरस्पेस को पार करके ही दोहा पहुंच सकती थीं। अभी तक ये सारे देश (मुस्लिम देश) विश्व कूटनीति में अमेरिका के साथी ही माने जाते रहे हैं इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा कि उन्होंने ट्रंप को दोहा पर हमले के बारे में पहले ही बता दिया था। दबाव में आकर ट्रंप को भी मानना पड़ा कि उन्हें इसकी जानकारी थी। इस खुलासे ने पश्चिमी एशिया के देशों में खलबली पैदा की। वैसे भी सबके दिमाग में कतर द्वारा अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को करोड़ों डॉलर की कीमत वाला हवाई जहाज गिफ्ट करने की छवि तरोताजा थी।अमेरिका की मुश्किले कई हैं जैसे कतर में अमेरिकी सैन्य अड्डा, फिर भी इजरायल ने किया हमला वगैरह . बताया जाता है कि इसीलिए सऊदी-पाक में हुआ करार हुआ है . वैसे भारत ने सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच हाल के समझौते पर कोई टिप्पणी नहीं की। भारत ने यह कहकर सावधानी से जवाब दिया कि वह दोनों देशों के बीच समझौते का अध्ययन कर रहा है। सऊदी अरब के साथ भारत के संबंध मजबूत हैं। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने इस साल सऊदी अरब का दौरा किया। भारत और सऊदी अरब के बीच द्विपक्षीय व्यापार 50 बिलियन डॉलर से अधिक है। सऊदी अरब अपने कच्चे तेल का 20 प्रतिशत से अधिक भारत को निर्यात करता है। अप्रैल 2025 में, दोनों ने रक्षा सहयोग पर हस्ताक्षर किए। एक समिति का गठन किया गया। इसमें संयुक्त अभ्यास शामिल हैं। अब जब सऊदी अरब का पाकिस्तान के साथ समझौता हो गया है और पाकिस्तान के नेता समझौते को लेकर जो कुछ भी कहें, सऊदी अरब भारत के साथ संतुलन बनाएगा। सऊदी अरब पाकिस्तान की लड़ाई नहीं लड़ेगा; लेकिन यह ईरान जैसे क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्वियों से निपटने में मदद करेगा। यदि भारत और पाकिस्तान फिर से टकराते हैं, तो सऊदी अरब आर्थिक दबाव डाल सकता है; पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच यह समझौता कतर पर इजरायल के हमले के आठ दिन बाद हुआ है। पाकिस्तान और सऊदी अरब संयुक्त राज्य अमेरिका के खिलाफ जाने की हिम्मत नहीं करेंगे, भले ही समझौते को इजरायल को उकसाने के लिए चित्रित किया जा रहा है। समझौते के बाद भारत ने यह उम्मीद जताई है।

पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच संबंध आपसी जरूरतों पर आधारित हैं। सऊदी अरब वित्तीय सहायता प्रदान करता है और पाकिस्तान सैन्य सहायता प्रदान करता है। पाकिस्तान सऊदी अरब के नेतृत्व में सैन्य प्रयासों में शामिल है। पाकिस्तान के पूर्व सेना प्रमुख राहील शरीफ ने 2015 से इस्लामिक सैन्य आतंकवाद विरोधी गठबंधन का नेतृत्व किया है। माना जाता है कि 2018 में, पाकिस्तान ने यमन में चल रहे संघर्ष में मदद के लिए सऊदी अरब में सेना भेजी थी। वह बारह सौ से दो हज़ार पाकिस्तानी सैनिक पहले से ही सऊदी अरब में तैनात हैं। इसके बदले में पाकिस्तान को सऊदी अरब से आर्थिक मदद मिलती रहेगी। पाकिस्तान को उम्मीद है कि भविष्य में भारत के साथ किसी भी संघर्ष के मामले में सऊदी अरब कुछ मदद करेगा। पाकिस्तान और सऊदी अरब को पता होना चाहिए कि पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच 'रणनीतिक पारस्परिक रक्षा समझौते' का क्या मतलब है। भारत ने सऊदी सशस्त्र बलों को प्रशिक्षित करने की पेशकश की है। भारत और सऊदी अरब के बीच साझेदारी हाल के महीनों में बढ़ी है, जिसमें दोनों देशों और रक्षा मंत्रिस्तरीय समिति के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास शामिल हैं। स्थापना में ये चरण शामिल हैं। यह उनके रिश्ते को मजबूत करने का प्रतीक है। भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष शुरू होने पर तटस्थ रहने का फायदा सऊदी अरब को मिला है।

जब इस साल मई में भारत और पाकिस्तान के बीच झड़प हुई थी, तो सऊदी अरब ने पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की निंदा की थी। लेकिन 'ऑपरेशन सिंदूर' पर कोई बयान जारी नहीं किया गया। भारत सऊदी अरब के लिए पाकिस्तान से अधिक महत्वपूर्ण है और भारत के साथ उसकी आर्थिक और रणनीतिक साझेदारी महत्वपूर्ण है, यह बात पाकिस्तान के साथ रक्षा सौदे के बाद भी सऊदी के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दोहराई गई है। रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि पाकिस्तान को सऊदी अरब से लगातार बड़े और किफायती ऋण मिल रहे हैं। कि मूल रूप से एक साल के लिए दिया गया कर्ज पाकिस्तान की ओर से नहीं चुकाया गया है। सऊदी सरकार पाकिस्तान के प्रति उदार रही है और हर साल बिना किसी अतिरिक्त ब्याज के इन ऋणों को देती रही है। सऊदी अरब का पाकिस्तान को दिया जाने वाला ऋण चीन की तुलना में एक तिहाई सस्ता है और विदेशी वाणिज्यिक ऋण की लागत का आधा है। सऊदी अरब, चीन और संयुक्त अरब अमीरात ने तीन साल के कार्यक्रम के पूरा होने तक पाकिस्तान को अपनी नकदी जमा रखने की शर्त रखी है। इन देशों ने पाकिस्तान को कुल 12 बिलियन अमेरिकी डॉलर का उधार दिया है, जो पाकिस्तान के केंद्रीय बैंक के 14.3 बिलियन डॉलर के कुल विदेशी मुद्रा भंडार का हिस्सा है। अगर पाकिस्तान और सऊदी अरब एक साथ आ भी जाते हैं, तो भारत पर रक्षात्मक रूप से कोई असर नहीं पड़ेगा। ग्लोबल फायरपावर इंडेक्स के अनुसार, भारत के पास दुनिया की चौथी सबसे शक्तिशाली सेना है, जबकि पाकिस्तान बारहवें स्थान पर है। सऊदी अरब 24वें स्थान पर है। सऊदी अरब की ताकत अमेरिकी हथियारों में निहित है। सऊदी अरब को 2015-2022 यमन युद्ध में हौथी विद्रोहियों द्वारा ड्रोन हमलों से भारी नुकसान उठाना पड़ा। इसने इसकी हवाई सुरक्षा को कुछ हद तक कमजोर कर दिया। सऊदी सेना विदेशी (पाकिस्तानी और अमेरिकी) सलाहकारों पर निर्भर है और उनके पास आंतरिक प्रशिक्षण की कमी है। यह समझौता भारत के लिए दोधारी तलवार है। एक ओर, भारत और सऊदी अरब के बीच मजबूत आर्थिक संबंध हैं।

भारत सऊदी अरब के साथ सौ अरब डॉलर से ज्यादा का व्यापार करता है। पाकिस्तान के साथ समझौते के बाद भी सऊदी अरब ने साफ कर दिया है कि भारत के साथ उसके संबंध मजबूत बने रहेंगे और यह समझौता भारत के खिलाफ नहीं है। हालाँकि, यह समझौता भारत को अपनी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने का अवसर प्रदान करता है। क्वाड (भारत, अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया) जैसे गठबंधनों को मजबूत करना, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में रक्षा बुनियादी ढांचे का विकास करना और नौसैनिक गश्त बढ़ाना आवश्यक है। भारत यूएई और बहरीन जैसे उदारवादी खाड़ी देशों के साथ भी संबंधों को मजबूत कर सकता है। भारत को ऊर्जा विविधीकरण के लिए वैकल्पिक स्रोतों पर भी ध्यान देना चाहिए। हाल ही में इजरायल ने सऊदी अरब की सीमा से सटे कतर की राजधानी दोहा पर हमला किया था। हमले पर अमेरिका की चुप्पी ने मध्य पूर्व में संयुक्त राज्य अमेरिका की सुरक्षा गारंटी के बारे में संदेह पैदा कर दिया। संयुक्त राज्य अमेरिका के मध्य पूर्व में अनुमानित 40,000 से 50,000 सैनिक हैं। लेकिन इजरायल की आक्रामकता के सामने संयुक्त राज्य अमेरिका की निष्क्रियता ने सऊदी अरब को एक वैकल्पिक सुरक्षा भागीदार की तलाश करने के लिए मजबूर किया। इस संदर्भ में, मुस्लिम दुनिया में एकमात्र परमाणु हथियार राज्य पाकिस्तान सऊदी अरब के लिए एक आकर्षक सहयोगी बन गया। सऊदी-पाकिस्तान समझौता दोनों देशों की सैन्य क्षमताओं को मजबूत करेगा क्योंकि इसमें रक्षा उद्योग सहयोग, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और सैन्य सह-उत्पादन शामिल है। पश्चिम एशिया में इजरायल की आक्रामकता और ईरान के साथ तनाव के बीच। जबकि सऊदी अरब को एक मजबूत सहयोगी की आवश्यकता थी, पाकिस्तान ने इसे आर्थिक और रणनीतिक लाभ के स्रोत के रूप में देखा। पर यह भी बताया जाता है कि पाकिस्तान को सऊदी अरब से तेल, निवेश और सैन्य सहायता मिल सकती है, जिससे युद्ध के समय पाकिस्तान की शक्ति बढ़ जाएगी। अगर भारत पाकिस्तान पर हमला करता है तो सऊदी अरब जवाबी कार्रवाई कर सकता है। सऊदी तेल आयात पर निर्भरता को देखते हुए, यह समझौता भारत की ऊर्जा सुरक्षा को प्रभावित कर सकता है। ऐसी स्थिति में, भारत को रूस और अन्य स्रोतों से विविधीकरण में तेजी लानी होगी। हालांकि, मजबूत नेतृत्व और रणनीतिक स्वायत्तता के साथ, भारत चुनौती का सामना कर सकता है।

इतना ही नहीं, पाकिस्तान ने पश्चिम एशिया के बाकी देशों को भी इस समझौते के तहत आने का न्योता दिया है। पश्चिम एशिया में पाकिस्तान सामरिक धुरी के तौर पर उभरने की कोशिश तो कर रहा है, लेकिन क्या वह अमेरिका के खिलाफ जाकर ऐसा करने की कोशिश करेगा? इसमें संदेह है। इसीलिए, इसके तात्कालिक तौर पर दो मकसद नजर आते हैं- एक तो इजरायल के खिलाफ एक सैन्य समीकरण खड़ा करना। दूसरा, भारत को संदेश देना कि भविष्य में पश्चिम एशियाई देश उसके साथ खड़े होंगे। इस वैश्विक परिदृश्य में सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच हुआ रक्षा समझौता पश्चिम एशिया पर अमेरिकी पकड़ के ढीले होने की कहानी को दोहरा रहा है। कतर और सऊदी अरब पश्चिम एशिया में अमेरिकी वर्चस्व के लिए अहम हैं। अगर वहां खलबली है और वे अपनी सुरक्षा के लिए दूसरे रास्ते तलाशने लगे हैं तो इसका असर बाकी देशों पर भी पड़ सकता है।

व्यक्तित्व का समग्र विकास ही शिक्षा

लोक (समाज) एवं वेद जो कह रहे थे ,मैं उसके पीछे-पीछे अंधा होकर चल रहा था लेकिन एक पूर्ण गुरु ने मेरे हाथ में दीपक थमा दिया ताकि मैं अपना रास्ता खुद देख सकूं , चुन सकूं और उस पर चल सकूं। कबीर दास के उक्त विचार एक अच्छे गुरु की महत्ता को बता रहे हैं।

एक अच्छा शिक्षक वह नहीं जो केवल ज्ञान देता है ,बल्कि वह है, जो ज्ञान प्राप्त करने के तरीके बताता है। आज तो गूगल और चैट जीपीटी के जमाने में ज्ञान के स्रोतों की कमी नहीं है किंतु कहां से पढ़ना है, क्या पढ़ना है, कितना पढ़ना है और क्या नहीं पढ़ना है यह बातें एक छात्र को पता हो जाए तो समझ जाइए शिक्षक ने अपना पर्याप्त दायित्व पूरा कर दिया। शेष दायित्व उसे वाणी, कर्म व आचरण से पूरा करना होगा जो छात्र के व्यक्तित्व पर गहरी छाप छोड़ता है।कन्फ्यूशियस से एक बार उनके शिष्य ने पूछा, गुरुदेव 'शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य क्या है'? कन्फ्यूशियस ने कहा यदि शिक्षा से व्यक्ति में विनम्रता नहीं आती है और चरित्र का विकास नहीं होता है तो वह शिक्षा नहीं केवल जानकारी है। यह बात आज भी उतनी ही सत्य प्रतीत होती है।

डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम साधारण परिवार से निकलकर यदि मिसाइल मैन बने तो उन्होंने केवल किताबी ज्ञान नहीं प्राप्त किया बल्कि उनके गुरु की प्रेरणा, उनके चरित्र और सादगी पूर्ण जीवन ने उन्हें महान बनाया और उनके जीवन को बदल दिया। आज शिक्षा में बहुत प्रगति हुई है। स्मार्ट क्लास, डिजिटल लर्निंग, नई शिक्षा नीति 2020 कौशल आधारित विषय, सभी परिवर्तन शिक्षा को आधुनिक व उपयोगी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण एवं सार्थक कदम है। इन सबके बावजूद शिक्षा आज भी अंकों तक ही सीमित है। परिणाम स्वरूप छात्र किताबों में तो निपुण हो जाते हैं लेकिन व्यवहारिक जीवन जीने में पीछे हो जाते हैं। महान दार्शनिक डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने कहा था कि शिक्षा हमें केवल भौतिकता तक ही सीमित न रखे बल्कि हमें आत्मिक शुद्धता प्रदान करें। आत्मा की शुद्धता से उनका तात्पर्य चरित्र निर्माण ही था। सुकरात से एक बार उनके शिष्य ने पूछा गुरुदेव शिक्षा का वास्तविक सार क्या है ? सुकरात ने कहा ज्ञान का पहला चरण है यह जानना है कि हम कुछ नहीं जानते अर्थात शिक्षा का उद्देश्य अहंकार बढ़ाना नहीं बल्कि सीखने की प्यास जगाना होनी चाहिए। शिष्य में गुरु के प्रति समर्पण का भाव होना चाहिए। बिना इस भाव के न तो वह कुछ सीख सकता है और न हीं कुछ कर सकता है। आजकल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) का दौर है। जानकार बताते हैं कि 8 से 10 वर्षों में शिक्षा के क्षेत्र में शायद शिक्षकों का स्थान एआई ले ले। बेशक अच्छी शिक्षा व जानकारी छात्रों को दे दे, किंतु गुरु शिष्य संबंधों का क्या होगा?

वह कोमल भाव जो गुरु शिष्य के अंदर जगा पाता है, वैसा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का रोबोट जगा सकेगा ऐसा कम ही प्रतीत होता है। नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने वाले प्रथम भारतीय गुरुदेव रवींद्र नाथ टैगोर ने 130 वर्ष पहले ही कह दिया था कि शिक्षा पुस्तकों की चार दीवारी तक सीमित नहीं होनी चाहिए प्रकृति के बीच रहकर सीखें । इसीलिए उन्होंने शांति निकेतन की स्थापना की थी। उन्होंने शिक्षा को जीवन, प्रकृति व रचनात्मकता से जोड़ा। शिक्षा में सुधार के लिए सरकार निरंतर प्रयास कर रही है किंतु कुछ सुझाव विचारणीय है। जिन पर विचार कर आगे बढ़ा जा सकता है। जैसे डॉक्टर केवल किताबों से नहीं बल्कि मरीजों को देखकर उनसे भी सीखते हैं, वैसे ही छात्र को व्यावहारिक ज्ञान देना आवश्यक है। प्रत्येक विषय को व्यावहारिक ज्ञान से जोड़कर पढ़ाया जाना चाहिए । इससे दिया गया ज्ञान वे शीघ्र समझेंगे और स्थाई भी रहेगा। नैतिक शिक्षा का ज्ञान भी प्रत्येक स्तर पर देना चाहिए। शिक्षक को बदलती हुई शिक्षा पद्धति के अनुसार समय-समय पर प्रशिक्षित भी करना चाहिए। यदि शिक्षक समय व तकनीक के साथ नहीं बदलेंगे तो शिक्षा अधूरी रहेगी। एक मुख्य विषय परीक्षा पद्धति का है। आज की मूल्यांकन पद्धति अंकों पर ही आधारित है। सब कुछ अंक ही माने जाते हैं वास्तविक मूल्यांकन रचनात्मकता , तार्किक सोच व जीवन कौशल का होना चाहिए।

लेखक-धर्मदेव शर्मा, प्रवक्ता भौतिकी, श्री गांधी स्मारक इंटर कॉलेज समोधपुर, जौनपुर

रामराज्य कपोल कल्पना नहीं, आदर्श शासन

-नरेंद्र तिवारी 'पत्रकार'

रामराज्य का विचार कोरी कल्पना नहीं जमीनी हकीकत है, इसे कार्य रूप में परिणीति किया जा सकता है। इस विचार को व्यवहारिक रूप से स्थापित किया जा सकता है। रामराज्य एक आदर्श शासन व्यवस्था है। जिसका लक्ष्य आदर्श राष्ट्र राज्य का निर्माण करना है। एक आदर्श राज्य जिसमें चारो और खुशहाली का माहौल हो, जनता का अपने राज्य और शासक के प्रति गहरी आस्था और विश्वास हो। राम राज्य शासन व्यवस्था के कुछ आवश्यक तत्व भी है जिसमे न्याय, निष्पक्षता, अहिंसा, सामुदायिक सदभावना, धर्मशील कर्तव्य परायण राजा, चरित्रवान जनता शामिल है। जब जनता सुखी होंगी, राजा से लेकर रंक तक अपनी कर्तव्य पालना ईमानदारी से करेंगे। इस राज्य में चरित्रवान शासक और सद चरित्र नागरिकों का होना आवश्यक है। रामराज्य अपराध मुक्त समाज की स्थापना पर बल देता है। यह भारत में ही नहीं अपितु विश्व में किसी भी राष्ट्र में संभव है। भारत में यह अयोध्या के राजा श्री राम के कालखंड में किये शासन की अवधारणा से जुड़ा है। श्री राम त्रेता युग के अंत में अयोध्या के राजा थे। उन्हें सूर्यवंशी क्षत्रिय माना जाता है। रामायण के काल को त्रेता युग का ही समय बताया जाता है। अयोध्या प्राचीन कोसल साम्राज्य की राजधानी थी, और श्रीराम इस साम्राज्य के राजा थे।

रामचरितमानस में गोस्वामी तुलसीदास रामराज्य का वर्णन करते हुए लिखते है- दैहिक दैविक भौतिक तापा।

रामराज नहिं काहुहि ब्यापा।।
सबु नर करहि परस्पर प्रीती
चलहीं स्वधर्म निरत श्रुति नीती।।

इस चौपाई के अनुसार रामराज्य में किसी को शारारिक, प्राकृतिक या सांसारिक पीड़ा नहीं थी, सभी मनुष्य परस्पर प्रेम करते थे, और अपने-अपने धर्म व शास्त्रों के बताए मार्ग पर चलते थे। यह चौपाई रामराज्य के दौरान आदर्श समाज की सामाजिक स्थिति का वर्णन करती है, जहाँ सभी लोग सुखपूर्वक, शांतिपूर्वक धर्मनिष्ठ जीवन व्यतीत करते थे।

अब जबकि हम वर्ष 2025 का सांस्कृतिक पर्व दशहरा मनाने जा रहे है। यह पर्व बुराई पर अच्छाई की विजय, अन्याय पर न्याय की जीत के रूप शताब्दीयों से बनाते आ रहे है। इस दिन राक्षक राज रावण का मयार्दा पुरषोत्तम श्रीराम ने वध किया था। यह पर्व भारत की आत्मा में निवासरत भगवान श्रीराम के वनवासी जीवन के दौरान घटित संस्मरण की याद दिलाता है। श्री राम को याद करने पर रामराज्य के सिद्धांतो पर भी अमल किया जाना चाहिए। दुनियाँ के देशो में जब शासको के प्रति विद्रोह की सनक सवार है, तब रामराज्य की अवधारणा पर न सिर्फ विचार किया जाना चाहिए साथ ही इस शासन प्रणाली की विशेषताओं को अपनाने के प्रयास भी करना चाहिए।

वाल्मीकि रामायण में रामराज्य का उल्लेख एक आदर्श राज्य या साम्राज्य के संदर्भ में है। जिसकी विशेषताओं में उत्तम शासन, न्याय, समृद्धि, और नैतिक धार्मिकता है। राम के वनवास से लौटने के बाद उनके शासन में देखा गया। इसे आदर्श समाज के रूप में माना गया जहाँ धर्म का महत्व और जन कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है। रामराज्य धर्म आधारित शासन प्रणाली जिसमे सभी कार्य नैतिक दृष्टि से किये जाने पर बल दिया जाता है, रामराज्य का प्राथमिक लक्ष्य नागरिक समाज का कल्याण था, राज्य के सभी नागरिकों को भोजन, आश्रय और सुरक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं का प्रमुखता से ख्याल रखा जाता था। रामराज्य आंतरिक कलह और बाहरी खतरों से मुक्त था। राज्य पूर्णरूप से सुरक्षित और प्रजा निर्भय होकर रहती है। राज्य की कार्यप्रणाली में निष्पक्षता एवं पारदर्शिता थी। सार्वजनिक एवं व्यक्तिगत व्यवहार में सत्य निष्ठा और ईमानदारी को महत्व दिया जाता था। नागरिको के मध्य सामाजिक सदभाव व्याप्त था। राज्य द्वारा जातिगत या आर्थिक आधार पार किसी नागरिक से भेदभाव नहीं किया जाता था। न्याय की पहुंच रामराज्य में प्रत्येक नागरिक तक थी न्याय सुलभ निष्पक्ष और समान होता था।

आधुनिक शासन प्रणालियों में लोकतंत्र सबसे सफल और अपनाई जाने वाली प्रणाली है। दुनियाँ के देशों ने प्रजातंत्र को शासन प्रणाली के रूप में अपनाया है। लोकतंत्र में समानता,न्याय,निष्पक्षता,स्वतंत्रता आदि ऐसे तत्व है जो इसे दुनियाँ की प्रचलित शासन प्रणाली बनाते है। इसके बावजूद भी दुनियाँ में वर्तमान दौर में जनता और शासको के मध्य खींचतान देखी जा रही है। जिसका मूल कारण प्रजातंत्र में निर्वाचित जनप्रतिनिधियों का जन अपेक्षाओं के अनुरूप कार्य नहीं करना, लोकतंत्र के महत्वपूर्ण बिंदुओं स्वतंत्रता, समानता एवं न्याय की अनदेखी करना है। रामराज्य में राजा और जनता में धर्म और नैतिकता पर बल दिया गया है, अतएव राजा भी धार्मिक दायित्व एवं नैतिकता के मार्ग पर चल कर अपने शासकीय और राजकीय दायित्वों का निर्वहन करता था। भारत भूमि पर शताब्दीयों बाद भी राजनीति में रामराज्य का महत्व बना होना इस शासन प्रणाली की महत्ता को दशार्ता है।

भारतीय दर्शन में भगवान श्री राम को मयार्दा पुरुषोत्तम की संज्ञा दी गयी है, उनके शासन को रामराज्य कहकर सम्बोधित किया जाता है उनके शासन में जीवन मूल्यों को प्रमुखता दी जाती थी। व्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान किया जाता था, न्याय की पहुंच आम नागरिक तक थी। समाज में खुशहाली का वातावरण था। रामराज्य एक आदर्श शासन प्रणाली थी। जो बरसों से दुनियाँ का मार्गदर्शन कर रही है। भारत में रामराज्य की स्थापना को लेकर राजनैतिक दलों द्वारा समय-समय पर बाते तो बहुत की जाती रही है। किंतु रामराज्य की आदर्श शासन व्यवस्था लागू करने के लिए जिस धर्म आधारित नैतिकता की आवश्यकता शासकों और नागरिकों में होना चाहिए, वह दिखाई नहीं दे रही है। रामराज्य एक आर्दश शासन प्रणाली है, जिसका मुख्य लक्ष्य राष्ट्र कल्याण है। एक आदर्श समाज की स्थापना ही रामराज्य का प्रमुख उद्देश्य है।

भ्रष्टाचार पर लगाम लगाए बिना आप्रवासियों का लौटना असंभव

भारत से हर साल बड़ी संख्या में युवा पढ़ाई और रोजगार के लिए विदेश इसलिए जाते हैं कि उनकी योग्यता, प्रतिभा का मूल्यांकन यहां नहीं होता, पढ़ाई-लिखाई की सुविधाएं जैसी वहां हैं, यहां नहीं हैं और सबसे बड़ी बात कि पैसा अधिक मिलता है, उस देश के निवासियों से कम होता है पर यहां से ज्यादा होता है। वर्तमान में लगभग 18 लाख भारतीय छात्र अमरीका, कनाडा, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। विदेशों में भारतीयों की संख्या का कोई आधिकारिक आंकड़ा नहीं है लेकिन माना जाता है कि वे करोड़ों में होंगे और उन देशों को समृद्ध बनाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

कोई क्यों आएगा?: हमारे प्रधानमंत्री का संकल्प है कि चिप से लेकर शिप तक का निर्माण भारत में हो और चाहे जहां बने, कोई भी बनाए ह्यभारत में बनाह्न लेबल लगा होना चाहिए। यही आत्मनिर्भर भारत की पहचान बने। इसमें विदेशों में बसे भारतीयों का योगदान हो और वे अपने देश लौट आएं। प्रश्न यह है कि क्या वे भारत आएंगे? इसका विश्लेषण करना और वास्तविकता को समझना तथा इसे लेकर देश भर में चर्चा होना आवश्यक है। अक्सर जब हम अपने ही देश में व्यापार, व्यवसाय अथवा रोजगार या फिर घूमने फिरने यानी पर्यटन के लिए जाते हैं तो बहुत सी चीजें अलग पाते हैं और उनकी तुलना करते हैं। उदाहरण के लिए कोई ऐसी सड़क जो 20-30 साल पहले बनी होगी पर आज भी एकदम चमचमाती हुई दिखेगी। तुरंत आप सोचने लगते हैं कि आपके शहर, कस्बे और गांव में सड़क है, लेकिन टूटी हुई, बरसों बिना मुरम्मत, बरसात में गड्ढा, फिसलन और काई कीचड़ से भरी नालियां, गलियों में क्या मुख्य सड़क पर भी पानी का भराव और निकासी का कोई इंतजाम नहीं और अखबार टी.वी. पर यह सूचना कि यह तो पिछले दिनों ही बनी थी और पहली बरसात भी नहीं झेल पाई। विशेष यह कि यह स्थिति महानगर से लेकर नगर निकायों तक की है।

दूसरी बात पुलिस, प्रशासन और कानून व्यवस्था की है। अपने ही देश में कहीं तो एकदम दुरुस्त, चाक चौबंद, शांतिपूर्ण जीवन की झलक, दुर्भाग्य से बहुत कम स्थानों पर, अधिकतर अस्त-व्यस्त, जिसकी लाठी उसकी भैंस का उदाहरण, लूट-खसूट का वातावरण, प्रदूषण और पर्यावरण का संकट, चौराहों, बाजारों, सार्वजनिक स्थानों पर अंधेरे का साम्राज्य, खुले मैनहोल, पैदल चलना हो तो फुटपाथ पर दुकानदारों, व्यापारियों का कब्जा, ट्रैफिक का यह हाल कि दस मिनट की दूरी तय करने में घंटों तक लग जाना, महिलाओं से छेड़छाड़ और वृद्ध लोगों को धकियाने से लेकर उन्हें दुर्घटना का शिकार बनते हुए अपने सामने देखना सामान्य और सबसे बड़ी चुनौती है। यदि अधिकारियों तक अपनी परेशानी पहुंचाने का जुगाड़ कर भी लिया तो असामाजिक तत्वों से अपनी जान बचाने तक का जोखिम उठाने के लिए तैयार रहना होगा। जब यह हालात हों और देश में ही एक से दूसरे स्थान पर जाने से पहले सौ बार सोचता है तो फिर विदेश से यहां बसने के इरादे से गए व्यक्ति का लौटने की बात सोचना जोखिम उठाने की तरह है। इसके लिए मानसिक और व्यावहारिक तौर पर अपने आप को मजबूत करना भारत आने की पहली शर्त है। यदि सरकार चाहती है कि विदेशों में बेस बना चुके भारतीय वापसी करें तो यह तब तक संभव नहीं जब तक उनके लिए वैसी प्रशासनिक प्रक्रिया शुरू नहीं होती जैसी उन्हें विदेशों में मिलती है। बावजूद इसके कि अमरीका जैसे देशों में जाना और बसना बहुत महंगा होता जा रहा है, यह निश्चित है कि यदि थोड़े से भी लोग भारत वापस आते हैं तो यह एक क्रांतिकारी बदलाव होगा क्योंकि वे अपने साथ अपनी पूंजी के अतिरिक्त उन देशों में काम करने की सोच और तरीके भी लाएंगे।

शिवसैनिकों का संकल्पः पालघर जिला परिषद व पंचायत समितियों पर लहराएगा शिवसेना का झंडा

पालघर (उत्तरशक्ति / अजीत सिंह)। जिला परिषद व पंचायत समिति चुनाव नजदीक आते ही शिवसेना शिंदे गुट ने अपने संगठनात्मक बैठकों का सिलसिला तेज कर दिया है। पार्टी कार्यकताओं ने संकल्प लिया है कि आगामी चुनाव में जिला परिषद और पंचायत समितियों पर केवल शिवसेना के ही उम्मीदवार विजयी होंगे।

इसी आगामी चुनाव के मद्देनजर पालघर विधानसभा क्षेत्र के गंजाड जिला परिषद गट में आयोजित शिवसैनिक सम्मेलन में सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस दौरान उपस्थित शिवसैनिकों ने किसी भी परिस्थिति में शिवसेना प्रत्याशियों को विजयी बनाने का ऐलान किया। बैठक में स्थानीय समस्याओं पर चर्चा के साथ-साथ संगठन को और मजबूत बनाने हेतु पदाधिकारी भी नियुक्त किये गए। इस अवसर पर शिवसेना पालघर जिला प्रमुख कुंदन संखे ने कार्यकताओं का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि ₹पालघर और दहानू विधानसभा में जनता का विश्वास शिवसेना के साथ है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में किये जा रहे जनहितैषी कार्यों को जनता तक और जोरदार तरीके से पहुँचाना होगा।₹ उन्होंने आश्वासन दिया कि संगठन हर कार्यकर्ता के साथ मजबूती से खड़ा है और सभी समस्याओं के समाधान के लिए पूरी मदद की जायेगी। पालघर के विधायक डॉ. राजेंद्र गावित ने कहा कि प्रशासन के माध्यम से जनता की समस्याओं का निराकरण प्राथमिकता से किया जायेगा। वहीं सह-संपर्क प्रमुख केदार काले ने संभावित उम्मीदवारों से सभी जरूरी दस्तावेज तैयार रखने की अपील की। तालुका प्रमुख संतोष देशमुख ने भी संगठन को और मजबूत करने का संकल्प व्यक्त किया। गंजाड मेले के आयोजक व सरपंच अभिजीत देसक ने स्थानीय मुद्दों को रखते हुए कहा कि गांव-गांव में शिवसैनिक पार्टी नेतृत्व के आदेश के अनुसार हर निर्णय को मान्य करेंगे और पार्टी प्रत्याशी को जीत दिलाएंगे। जिला प्रमुख कुंदन संखे के नेतृत्व में जारी बैठकों की गहमागहमी से साफ है कि शिवसेना ने चुनावी बिगुल बजने से पहले ही प्रचार अभियान की जोरदार शुरूआत कर दी है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी चुनावी माहौल गरमाता दिखाई दे रहा है।

भिवंडी के बी.एन.एन. कालेज में पंडित दीनदयाल उपाध्याय हीरक जयंती समारोह संपन्न

भिवंडी(उत्तरशक्ति)। पद्मश्री अन्नासाहेब जाधव भारतीय समाज उन्नति मंडल द्वारा संचालित बीएनएन कालेज में वरिष्ठ पत्रकार अरुण करमरकर की उपस्थिति में दीनदयाल उपाध्याय की हीरक जयंती मनाई गई। उन्होंने बताया कि दीनदयाल उपाध्याय के विचार विशेष रूप से एकात्म समाजवाद के दर्शन पर विचार व प्रकाश डालता है कि शिक्षक राष्ट्र निर्माण का कार्य सबसे प्रभावी ढंग से कर सकते हैं। वरिष्ठ पत्रकार अरुण करमरकर ने कहा कि शिक्षक केवल ज्ञान प्रदाता ही नहीं बल्कि मूल्य-प्रधान होते हैं वे जो भी निर्णय लेते हैं उसे साकार कर सकते हैं क्योंकि शिक्षकों में अपार रचनात्मकता और क्षमता होती है। करमरकर ने अपने भाषण में शिक्षा प्रणाली में नैतिकता के महत्व शिक्षकों के दायित्व और राष्ट्र निर्माण में छात्रों की भूमिका पर प्रकाश डाला। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जीवन कार्यों को सभी के सामने लाया जाना चाहिए और हमें उनके जीवन कार्यों से प्रेरणा लेनी चाहिए। अपने परिचय में प्रो-प्राचार्य डा.सुवर्णा रावल ने कहा कि महाविद्यालय महापुरुषों के कार्यों और विचारों को चिरस्थायी रूप से स्मरण करने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से महापुरुषों की जयंती मनाते रहे हैं। उप-प्राचार्य डा. सुधीर निकम ने मुख्य वक्ताओं का परिचय दिया। इस अवसर पर उप-प्राचार्य डा. सुरेश भदरगे, डा. निनाद जाधव, डा. कुलदीप राठौड़, प्राचार्य सुधीर घागस, प्रबंधक नरेश शिरसाले, पर्यवेक्षक एम.ओ. महाले, श्रीकांत पाटिल सहित महाविद्यालय के प्राध्यापक, शिक्षक, गैर-शिक्षण कर्मयोगी और विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम का सूत्र संचालन डा. शशिकांत म्हालुंकर ने किया। आये हुए अतिथियों व शिक्षकों व छात्रों का आभार डा. बी.टी. पगारे ने व्यक्त किया।

भाजपा भिवंडी शहर जिला के मार्गदर्शन में महिला मोर्चा द्वारा चिकित्सा शिविर का आयोजन

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा घोषित 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार' अभियान अंतर्गत सेवा पंदरवाडा के अवसर पर भाजपा के नेता यशवंत टावरे व भाजपा महिला मोर्चा भिवंडी जिला अध्यक्ष सुनीता यशवंत टावरे के मार्गदर्शन में मुफ्त आरोग्य शिविर का आयोजन भंडारी कंपाउंड चौक स्थित भाजपा जनसंपर्क कार्यालय के सामने मुफ्त चिकित्सा जांच व मुफ्त दवा वितरण किया गया । बतादें कि इस अवसर पर परिसर के सैकड़ो महिला/पुरुष ने आकर मुफ्त में टीवी जांच,डायबिटीज जांच, खून जाँच, एचआईवी जांच, आंखों की जांच और मुफ्त में दवाइयों का लाभ उठाया । इस आरोग्य शिविर में भाजपा जिला अध्यक्ष रवि सावंत,महासचिव राजू गाजेंगी, श्याम भोईर,भरत भाटी,राजेंद्र वासम, श्याम भोईर महिला पदाधिकारियों ने अपनी उपस्थित दर्ज कराई । आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत सम्मान यशवंत टावरे व भरत टावरे , सुनीता यशवंत टावरे द्वारा किया गया वहीं भिवंडी निजामपुर शहर महानगर पालिका के वैद्यकीय विभाग की श्रीमती बुशरा व विभाग के सभी डाक्टरों के साथ आंगनबाड़ी सेविका और आशा वर्कर आदि उपस्थित थे।

गोदरेज एग्रोवेट ने खाद्य प्रसंस्करण और नवाचार को मजबूत करने के लिए खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के साथ समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर

मुंबई/पटना। भारत के सबसे बड़े विविध कृषि-खाद्य व्यवसायों में से एक, गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड ने आज खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय भारत सरकार के साथ एक गैर-बाध्यकारी समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। वर्ल्ड फूड इंडिया 2025 के दौरान हस्ताक्षरित, ?960 करोड़ का यह प्रस्तावित निवेश अत्याधुनिक विनिर्माण सुविधाओं और एक अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) केंद्र के माध्यम से कंपनी की खाद्य प्रसंस्करण क्षमताओं को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड के सीईओ और एमडी, सुनील कटारिया ने कहा, ह्लयह समझौता ज्ञापन (एमओयू) हमारी कृषि-खाद्य प्रसंस्करण और वितरण क्षमताओं को मजबूत करने की हमारी दीर्घकालिक रणनीति के अनुरूप है। अपस्ट्रीम बुनियादी ढांचे और आरएंडडी में निवेश करके, हमारा लक्ष्य आपूर्ति श्रृंखला में सतत मूल्य बनाना है, साथ ही पारिस्थितिकी तंत्र के उत्थान में भी योगदान देना है। हम (एमओ एफ पी आई) के समर्थन के लिए आभारी हैं और भारत की खाद्य प्रसंस्करण क्षमताओं तथा कृषि नवाचार को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के सचिव, श्री अविनाश जोशी, आईएएस, और गोदरेज इंडस्ट्रीज समूह के ग्रुप प्रेसिडेंट कॉर्पोरेट अफेयर्स, राकेश स्वामी की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए। इस एमओयू के तहत, गोदरेज एग्रोवेट अपस्ट्रीम आरएंडडी केंद्र के साथ-साथ विनिर्माण और प्रसंस्करण सुविधाएं स्थापित करेगी। कंपनी के ऑयल पाम और पेट फूड व्यवसायों पर केंद्रित यह निवेश आंध्र प्रदेश, असम, त्रिपुरा, तेलंगाना और महाराष्ट्र राज्यों में फैला हुआ है।समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने पर टिप्पणी करते हुए, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के सचिव, श्री अविनाश जोशी, आईएएस ने कहा, हमें गोदरेज एग्रोवेट के साथ साझेदारी करके खुशी हो रही है। आज का एमओयू भारत के कृषि-खाद्य पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने और ग्रामीण विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने की हमारी साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। खाद्य तेलों पर राष्ट्रीय मिशन झ ऑयल पाम के एक प्रमुख समर्थक के रूप में, खाद्य प्रसंस्करण में नवाचार की एक मजबूत विरासत के साथ, गोदरेज एग्रोवेट भारत के पोषण, कृषि-अर्थव्यवस्था और उभरते उपभोक्ता खंडों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाना जारी रखे हुए है।

देवकुंज आय हॉस्पिटल की ओर से नेत्र जांच शिविर का आयोजन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। समाजसेवा के उद्देश्य से मुलुंड (प.) स्थित देवकुंज आय हॉस्पिटल चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से नवरात्रोत्सव के अवसर पर विशेष नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया है। यह शिविर 22 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 तक चलेगा। शिविर में महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों को मात्र 100 रुपये में आंखों की जांच और उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

शिविर में आधुनिक मशीनरी और अनुभवी नेत्र विशेषज्ञों की सेवा उपलब्ध रहेगी। संस्थान के मैनेजिंग ट्रस्टी सुनील रामनाथ सानप के मार्गदर्शन में यह उपक्रम आयोजित किया जा रहा है। डॉ. मृदुला भावे, डॉ. मोहिनी मोडक, डॉ. गीतांजलि वारवारकर और डॉ. सारंग वर्तिकर सहित विशेषज्ञ डॉक्टरों ने इस पहल का स्वागत करते हुए नागरिकों से नेत्र स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान देने की अपील की। स्थानीय नागरिकों ने इस उपक्रम पर व्यक्त करते हुए संस्थान का आभार प्रकट किया। नवरात्रोत्सव की पृष्ठभूमि में देवकुंज आय हॉस्पिटल की यह पहल समाज के लिए सच्चे अर्थों में दृष्टिदान साबित हो रही है।

श्री रामलीला उत्सव समिति द्वारा कैबिनेट मंत्री एड आशीष शेलार का भव्य स्वागत

आदेश मिश्रा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। रामलीला उत्सव समिति विक्रोली पार्कसाईट के तत्वावधान में रामलीला मंचन कार्यक्रम में प्रमुख मुख्य अतिथि के तौर पर मंच पर उपस्थित महाराष्ट्र सरकार में कैबिनेट मंत्री एड आशीष शेलार का मंच पर समिति अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल के द्वारा शाल रामनामी शाल, स्मृति चिन्ह, पुष्पगुच्छ और संकल्प पत्रिका भेंटकर भव्य स्वागत किया गया इसी कड़ी में मंच पर उपस्थित पूर्व दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री महाराष्ट्र सरकार एवं वरिष्ठ भाजपा नेता अमरजीत मिश्रा,वरिष्ठ भाजपा नेता शिक्षाविद प्रोफेसर डॉ दयानंद तिवारी, नवभारत टाइम्स के वरिष्ठ पत्रकार राजकुमार सिंह,हमारा महानगर के वरिष्ठ पत्रकार जितेंद्र कुमार मिश्रा,वरिष्ठ पत्रकार एशियन एज सोनू जी का भी स्वागत किया गया। और दशरथ विलाप,निषाद भेंट,श्रीराम कैकेई संवाद इत्यादि लीला का मंचन किया गया। और श्री रामलीला उत्सव समिति पार्कसाईट विक्रोली द्वारा 22 सितंबर से 3 अक्टूबर तक भव्य मंचन श्रद्धा भक्ति भाव से किया जा रहा है। और दिनांक 28 सितंबर दिन रविवार को सुबह 11 बजे से 1 बजे तक श्री रामचरित मानस महाकाव्य और महाभारत महाकाव्य पर आधारित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का भी आयोजन आयोजित है। और 3 अक्टूबर को दोपहर 1 बजे से शाम 4 बजे तक विरहा का जंगी मुकाबला तथा शाम 5 बजे से रात 10 बजे तक अखिल भारतीय विराट कवि सम्मेलन नामचीन कवियों व कवियत्रियों द्वारा काव्य पाठ किया जाएगा।आप सभी श्रद्धालु भक्तगणों से आग्रह है कि अधिक से अधिक संख्या में पधारकर इस पुण्य अवसर का लाभ उठाएँ। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल,दिवाकर मिश्र,सर्वदेव पांडेय, दलजीत पांडेय, आदेश मिश्र, भोलानाथ मिश्रा, राजेश सिंह,विमलेश मिश्रा,मनिकेश तिवारी,रत्नेश शुक्ल, बृजेश शुक्ला,दिनेश पी सिंह, अरविंद शुक्ल,चंद्रमणि सिंह, राजन सिंह,प्रशांत शुक्ल, प्रमुख राहुल शुक्ल,आशीष तिवारी, शुभम सिंह, प्रदीप मिश्रा,आकाश दुबे, ब्रह्मदेव दुबे,एड सुमित पाल, रमापति यादव, तपस्वी चौरसिया,संदीप दुबे, नीरज शुक्ला,अवधेश तिवारी, अशोक गुप्ता,राज मिश्रा,प्रेम सिंह, प्रथम शुक्ल,प्रेम तिवारी,हीरा यादव सहित तमाम आम जनमानस श्रद्धालु श्रोतागण मौजूद रहे।

आने वाली फिल्म अब तक 112 से युवाओं को सीख लेनी चाहिए: राज ठाकरे

मुंबई (उत्तरशक्ति)। के सेरा सेरा ग्रुप द्वारा आगामी आने वाली क्राइम ड्रामा बायोपिक फिल्म अब तक 112 चर्चित पुलिस एनकाउंटर स्पेसलिस्ट प्रदीप शर्मा के जीवन पर आधारित है। जिसके संदर्भ में शुक्रवार को प्रदीप शर्मा की मुलाकात मनसे प्रमुख राज ठाकरे से हुई। मुलाकात के दौरान राज ठाकरे ने शर्मा को बधाई देते हुए कहा कि आप के योगदानों को हमेशा याद किया जायेगा। और इस फिल्म को युवाओं को जिंदगी जीने के लिए अवश्य देखना चाहिए। जिसमें बुरे और देश द्रोही कार्यो के अर्थ को वखूबी दर्शाया गया है। इसे देखने के बाद हर ब्यक्ति सादगी और सम्मानित जीवन जीना ही पसंद करेगा। फिल्म को मशहूर निर्देशक अभिजीत पानसे द्वारा किया जा रहा है। जिन्होंने अभी तक अब तक 56, सरकार, सरकार राज,पार्टनर, गोलमाल व एक हसीना थी जैसी सुपर डुपर हिट फिल्में बना चुके है। जिसे जनता द्वारा खूब सराहा गया है। इस अवसर पर प्रदीप शर्मा ने राज ठाकरे के आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मेरी जिंदगी अपराध और खिलाफ एक लड़ाई थी। जिसमें देश का सम्मान और आमजनमानस की रक्षा के लिए कभी मैंने अपने जीवन की परवाह नही की।

और निश्चित रूप से यह सीख देने वाली एक रोमांचित फिल्म है। जो जनता जे बीच एक अनोखी छाप अवश्य छोड़ेगी।

माटुंगा में नवरात्र के अवसर पर देवी पूजा का आयोजन, श्रद्धालुओं ने लिया मां का आशीर्वाद

मुम्बई (उत्तरशक्ति)। नवरात्र के पावन अवसर पर माटुंगा सेंट्रल स्थित हेम भवन बिल्डिंग में वच्छ राज लेन निवासी अनिल पटेल के घर पर बीते 5 से 7 वर्षों से लगातार देवी की पूजा बड़े धूमधाम और श्रद्धा के साथ की जा रही है। इस वर्ष भी भक्त मंडल द्वारा नवरात्र के दौरान देवी की पूजा, हवन और आरती का भव्य आयोजन किया गया।

पूजा स्थल पर भक्ति और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। इस विशेष अवसर पर मां के दर्शन हेतु कई प्रतिष्ठित अतिथियों और श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही।

माटुंगा पुलिस चौकी से प्रभारी राजेंद्र पवार, वैभव पाटील और केशव वाघ ने भी कार्यक्रम में शिरकत की और मां का दर्शन कर आशीर्वाद लिया। साथ ही समाजसेवक चेतन त्रिवेदी, संजय मिश्रा, अनिल संपत, अरविंद पाल सहित कई गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति ने इस आयोजन को और भी गौरवमयी बना दिया। देवी पूजा के बाद हवन व आरती का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय श्रद्धालुओं ने भाग लिया और मां दुर्गा से सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। अनिल पटेल और उनके परिवार द्वारा वर्षों से किए जा रहे इस आयोजन को क्षेत्र के लोग एक विशेष परंपरा के रूप में मानते हैं।

कातकरी समाज के उत्थान को लेकर भिवंडी महसूल विभाग द्वारा सेवा पखवाडा कार्यक्रम संपन्न

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी तहसील के महसूल विभाग की तरफ से छत्रपति शिवाजी महाराज महाराजस्व अभियान के अंतर्गत 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती सेवा पखवाड़ा अंतर्गत भिवंडी तहसील में ठाणे जिला कलेक्टर डा. श्रीकांत पांचाल के मार्गदर्शन में उप-विभागीय अधिकारी अमित सानप और तहसीलदार अभिजीत खोले के नेतृत्व में विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किय गया। बतादें कि शुक्रवार (25) को क्रांतिकारी नाग्या महादु कातकरी जयंती के उपलक्ष्य में नाईकपाड़ा के पाये गाँव में कातकरी समाज के उत्थान सभा का आयोजन किया गया। इस सभा में आस-पास के गावों से बड़ी संख्या में कातकरी समाज के लोग उपस्थित थे। श्रमजीवी संगठन के सहयोग से आयोजित इस सभा में राजस्व विभाग, पंचायत समिति, तालुका आरोग्य अधिकारी, परियोजना अधिकारी, आदिवासी विभाग, कृषि अधिकारी और अन्य सरकारी

अधिकारियों द्वारा कातकरी समुदाय के बंधुओं को विभिन्न योजनाओं के लाभ और प्रमाण पत्र वितरित किए गए। तहसीलदार अभिजीत खोले द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार इसमें जाति प्रमाण पत्र और आय प्रमाण पत्र, जन्म पंजीकरण के लिए आवेदन, आधार कार्ड से संबंधित सुविधाएं और लाभ, मृतकों की वारिस सूची, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खारबाव की तरफ से स्वास्थ्य जांच, स्कूली छात्रों को साहित्य का वितरण, छोटे बच्चों का टीकाकरण, गर्भवती माताओं की मधुमेह और रक्तचाप की जांच की गयी।

बाढ़ प्रभावित किसानों को दिवाली से पहले राहत राशि देना चाहती है महाराष्ट्र सरकार: एकनाथ शिंदे

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शनिवार को कहा कि राज्य सरकार बाढ़ प्रभावित किसानों के लिए धनराशि वितरित कर रही है और वह यह सुनिश्चित करना चाहती है कि दिवाली से पहले राहत राशि सभी किसानों तक पहुंच जाए।

महाराष्ट्र में 20 सितंबर से जारी भारी बारिश और उसके कारण उफनाई नदियों के चलते राज्य के कई हिस्सों, खासकर मराठवाड़ा क्षेत्र में बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है।

सरकार के मुताबिक, वर्षा जनित हादसों में कम से कम नौ लोगों की जान गई है, जबकि बाढ़ के कारण 30,000 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में लगी फसलें बर्बाद हो गई हैं। पुणे में संवाददाताओं से बातचीत में शिंदे ने कहा, हमने खेतों का दौरा किया है और स्थिति का जायजा लिया है। हमारी सरकार किसानों के साथ दृढ़ता से खड़ी है। हमने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और उन्हें मदद के लिए एक पत्र सौंपा है। जब भी कोई संकट आया है, केंद्र ने हमेशा सहयोग दिया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात कर उन्हें महाराष्ट्र में भारी बारिश से उपजी स्थिति से अवगत कराया है। शिंदे ने कहा, मकानों के पुनर्निर्माण और मवेशियों, फसलों एवं जानमाल के नुकसान के लिए धनराशि दी जा रही है। सरकार का मानना है कि दिवाली से पहले किसानों के हाथों में पैसा पहुंच जाना चाहिए।

विपक्षी दलों के राज्य सरकार की ओर से दी जा रही सहायता को बहुत कम बताए जाने पर शिंदे ने कहा कि ऐसे आलोचकों को राजनीति करने के बजाय लोगों के आंसू पोंछने और उनकी स्थिति देखने के लिए खेतों में जाना चाहिए।

मुंबई हवाई अड्डे पर 21.8 करोड़ रुपये मूल्य का हाइड्रोपोनिक गांजा, सोना और विदेशी मुद्रा जब्त

मुंबई। मुंबई सीमा शुल्क विभाग ने यहां अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर चार दिनों में 21.8 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य का हाइड्रोपोनिक गांजा, विदेशी मुद्रा और सोना जब्त किया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर सीमा शुल्क विभाग ने 21 से 24 सितंबर के बीच छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (सीएसएमआईए) पर यह जब्ती की।

एक अधिकारी ने बताया कि कोलंबो (श्रीलंका) से आए एक यात्री को एक ट्रॉली बैग में छिपाए गए 2.624 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजे के साथ पकड़ा गया जिसकी कीमत लगभग 2.62 करोड़ रुपये है।

वहीं, बैंकॉक (थाईलैंड) से आए एक यात्री को 18.40 करोड़ रुपये मूल्य के 18.4 किलोग्राम प्रतिबंधित पदार्थ के साथ गिरफ्तार किया गया। हाइड्रोपोनिक गांजा उस गांजे को कहते हैं जिसे मिट्टी की बजाय पोषक घोल वाले जल में, हाइड्रोपोनिक तकनीक से उगाया गया हो। सीमा शुल्क अधिकारियों ने बिना जानकारी के ले जाई जा रही विदेशी मुद्रा के साथ तीन यात्रियों को भी पकड़ा।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

तेज आंधी और वर्षा के कारण नगर क्षेत्र में कई स्थानों पर विद्युत पोल टेढ़े होकर झुके

जिलाधिकारी ने गिरने की संभावना होने की सूचना संज्ञान में आने पर तुरंत किया निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शुक्रवार की रात जनपद में आई तेज आंधी और वर्षा के कारण

नगर क्षेत्र में कई स्थानों पर विद्युत खंभों के टेढ़े होकर झुकने तथा गिरने की संभावना होने की सूचना संज्ञान में आने पर जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र के द्वारा दुगार्पूजा तथा मार्गों पर भीड़भाड़ के दृष्टिगत देर रात तत्काल मौके पर पहुचंकर निरीक्षण किया गया और सख्त निर्देश दिया गया कि आज विद्युत विभाग की पूरी टीम रात में कार्य करते हुए सभी जर्जर खंभे अतिशीघ्र बदलवाना सुनिश्चित करे जिससे विद्युत व्यवस्था पूर्व की भांति सुगमता से संचालित रहे तथा त्यौहार के दौरान आमजनमानस को विद्युत संबंधी समस्याओं का सामना न करना पड़े। इस दौरान जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को कहा कि आमजनमानस को निर्बाध विद्युत आपूर्ति के साथ ही उनकी सुरक्षा करना जिला प्रशासन का दायित्व है। उन्होंने सख्त निर्देश दिए कि भविष्य में विद्युत विभाग की लापरवाही से कोई दुर्घटना होती है तो सम्बन्धित के विरूद्व कठोर कार्यवाही की जाएगी।

इस दौरान उन्होंने विद्युत विभाग के प्रति कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए सख्त निर्देश दिए कि आगामी त्यौहारों के दृष्टिगत अभियान चलाकर समस्त टेढे और जर्जर खम्भे चिन्हित कर अतिशीघ्र बदलने की कार्यवाही की जाए, इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता क्षम्य नहीं होगी। इस अवसर पर मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अम्बष्ठ, विद्युत विभाग के अधिकारी कर्मचारी सहित अन्य उपस्थित रहे।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी के निरीक्षण से फटाफट गिरे दुकानों के शटर

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नगर के तमाम खाद्य पदार्थ के

दूध एवं खाद्य सामग्री का लिया नमूना

दुकानदारों में उस समय हड़कम्प मच गया। जब उन्हें पता चला की खाद्य पदार्थों के चेकिंग चल रही है।

शनिवार की दोपहर खाद्य सुरक्षा अधिकारी अपराजिता तिवारी ने नगर के कई खाद्य पदार्थो एवं दूध भण्डार की दुकानों पर पहुंच कर दूध एवं खाने की वस्तुओं का सेम्पल लेकर लैब में जांच के लिए भेज दिया।

अपराजिता तिवारी सबसे पहले नगर के जेसीज चौराहा स्थित कृष्णा दूध भण्डार पर पहुंची जहां साफ सफाई व्यवस्था ठीक न मिलने पर 14 दिन के अंदर साफ सफाई और स्वच्छता रखने का नोटिस जारी किया।वही बगल में स्थित गिरिराज दूध भण्डार पर दूध का सेम्पल लिया गया।इसके बाद मेन रोड स्थित विकास एजेंसी पर पहुंची जहां फराली चूड़ा का छह पैकेट को सील करते हुवे जांच हेतू लैब भेज दिया गया।

वहीं खाद्य सुरक्षा अधिकारी के नगर में आने की सूचना भर से कई खाद्य पदार्थ और दूध भण्डार के दुकानों के शटर धड़ाधड़ गिर गए और एक दूसरे से कार्यवाई की जानकारी के खुसुर फुसुर करते हुए दिखाई दिए।

इस सम्बंध में पूछने पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी अपराजिता तिवारी ने बताया की प्रशासन के निर्देश पर त्योहारों को देखते मिलावट और नियमों के अनदेखी करने वाले दुकानदारों के यहां निरीक्षण किया गया।कुछ दुकानों से दूध और खाद्य पदार्थ के नमूने लेकर प्रयोगशाला भेजा जाएगा।अगर कोई कमियां मिलती है तो आगे कड़ी कार्यवाई की जाएगी।

सेवा पखवाड़ा के तहत क्रिकेट और बैडमिंटन प्रतियोगिता, छात्रों ने जीता रोमांचक मुकाबला

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत आज प्रातः 7

बजे एक विशेष क्रिकेट मैच का आयोजन एकलव्य स्टेडियम में किया गया। इस अनोखे मैच में छात्रों और शिक्षकों की टीम आमने-सामने हुईं। कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने किया। उन्होंने टॉस किया और माहौल को और रोचक बनाने के लिए कुछ गेंदें भी खेलीं। इस दौरान उनके साथ परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह और उप कुलसचिव सुश्री बबीता भी मैदान पर मौजूद रहीं। टॉस छात्रों ने जीता और पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। शिक्षकों की टीम, जिसकी कप्तानी प्रो. प्रदीप कुमार ने की, ने निर्धारित 10 ओवर में 59 रन बनाए। जवाब में छात्रों की टीम को जीत के लिए 60 रन का लक्ष्य मिला। मैच बेहद रोमांचक मोड़ पर पहुँचा जब छात्रों के कप्तान रुद्रांश ने शानदार छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई। छात्रों की जीत के बाद मैदान में उत्साह और तालियों की गूंज सुनाई दी।

इसी दौरान महिला छात्रों के लिए बैडमिंटन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन भी कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने किया। छात्राओं ने इस प्रतियोगिता में बेहतरीन खेल भावना और ऊर्जा का प्रदर्शन किया। समस्त कार्यक्रम का संचालन और संयोजन प्रो. प्रदीप कुमार द्वारा किया गया। जो शिक्षकों की क्रिकेट टीम के कप्तान भी रहे। कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा ऐसे आयोजन छात्रों और शिक्षकों के बीच आपसी संवाद और आत्मीयता को बढ़ाते हैं। खेल हमें अनुशासन, धैर्य और टीम भावना सिखाता है, जो जीवन के हर क्षेत्र में आवश्यक है। सेवा पखवाड़ा के इस आयोजन ने न केवल खेल भावना को प्रोत्साहित किया बल्कि छात्रों और शिक्षकों के बीच सौहार्द और उत्साह का भी अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया।

पीयू ने बढ़ाया शिक्षा की ओर हाथ, बच्चों को बांटी कॉपियां और किताबें

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर द्वारा कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन

पटेल के निर्देश और कुलपति प्रो. वन्दना सिंह के संरक्षण में गोद लिए गए गांव बल्ली का पूरा, देवकली में प्राथमिक विद्यालय और आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों हेतु शिक्षण सामग्री वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों को कॉपी, पेन, पेंसिल, किताबें आदि वितरित की गईं। सामग्री पाकर बच्चों के चेहरे पर प्रसन्नता झलक उठी और उन्होंने अपने शिक्षकों के साथ यह खुशी साझा की।

समन्वयक प्रो. राकेश कुमार यादव ने कहा कि यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा, हमारा प्रयास है कि हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के अवसर मिलें।

मुख्य अतिथि छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. पी.के. यादव ने शिक्षा की महत्ता को रेखांकित करते हुए कहा कि ह्यशिक्षा ही समाज को प्रगति और समृद्धि की राह दिखाती है। विशिष्ट अतिथि डॉ.राज बहादुर यादव ने इस पहल को प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि विश्वविद्यालय का यह प्रयास ग्रामीण बच्चों को नई ऊर्जा और दिशा देगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाध्यापिका श्रीमती मिथिलेश शर्मा ने की। इस अवसर पर सहायक अध्यापिका श्रीमती अर्चना यादव, श्रीमती रिंका यादव, श्रीमती गौरी मिश्रा, श्रीमती रेखा मिश्रा सहित जितेंद्र कुमार यादव, दयानाथ, अनीता यादव आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

मुर्धवा-बीजपुर मार्ग पर खड़ी ट्रक के केबिन में लगी भीषण आग, बाल-बाल बचा चालक

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। पिपरी थाना क्षेत्र के मुर्धवा-बीजपुर मार्ग पर शनिवार की सुबह लगभग 10 बजे एक खड़ी ट्रक के केबिन में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते केबिन जलकर पूरी तरह राख हो गया। गनीमत रही कि ट्रक चालक समय रहते नीचे उतर आया, जिससे उसकी

जान बच गई। घटना से मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पुलिस चौकी प्रभारी संजय सिंह ने बताया कि एक डीसीएम ट्रक में कोलकाता से मोमबत्ती बनाने का कच्चा माल लेकर सिंगरौली की ओर जा रहा था। मुर्धवा से आगे बढ़ते ही अचानक ट्रक के इंजन से धुआं निकलने लगा। चालक ने समझदारी दिखाते हुए ट्रक को सड़क किनारे रोक दिया और तुरंत नीचे उतर गया। इसी बीच इंजन में आग पकड़ ली और कुछ ही मिनटों में लपटों ने पूरे केबिन को अपनी चपेट में ले लिया। आग की सूचना पाकर आसपास से गुजर रहे लोगों में हड़कंप मच गया। राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने तत्काल हिंडाल्को की फायर ब्रिगेड को मौके पर बुलाया। फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पाने की कोशिश की, लेकिन तब तक ट्रक का केबिन और इंजन पूरी तरह जल चुका था। ट्रक चालक ने बताया कि वह कच्चा माल लेकर सिंगरौली जा रहा था, तभी अचानक यह हादसा हो गया। गनीमत रही कि समय रहते उसने ट्रक से बाहर निकलकर अपनी जान बचा ली। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। प्राथमिक अनुमान के अनुसार आग शॉर्ट सर्किट से लगी हो सकती है। इस घटना से मार्ग पर कुछ देर तक यातायात भी प्रभावित रहा।

सड़क हादसे में अधेड़ की दर्दनाक मौत, परिजनों में मचा कोहराम

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। तेज रफ़्तार वाहनों के कारण फिर एक जान काल के गाल में समा गई। बताया जाता है की ग्राम तिसौली थाना खुटहन निवासी 45 वर्षीय बृजेश कुमार वर्मा पुत्र नंदलाल वर्मा शनिवार की सुबह अपने दो पहिया वाहन से कहीं किसी काम से जा रहे थे की नगर के चिरैया मोड़ के पास विपरीत दिशा से आरही तेज रफ़्तार ट्रेलर ने धक्का मार दिया जिससे बृजेश कुमार वाहन सहित दूर गिर गए और बुरी तरह घायल हो गए। आनन फानन में स्थानीय लोगों द्वारा उपचार हेतू सामुदायिक स्वास्थ केंद्र लाया गया।जहां चिकित्सकों ने प्रथम दृष्टया मृत घोषित कर दिया।वहीं मामले की जानकारी होने पर मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने ट्रेलर को कब्जे में लिया।जबकि मौका देखकर ट्रेलर चालक फरार हो गया। दूसरी तरफ मौत की जानकारी होने पर परिजनों में कोहराम मच गया।

प्रदेश स्तरीय सब-जूनियर बालक/बालिका एथलेटिक्स प्रतियोगिता का अयोध्या में होगा आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्रीड़ा अधिकारी ने अवगत कराया है कि खेल निदेशालय उ0प्र0, लखनऊ के तत्वावधान में खेल विभाग उ0प्र0 एवं उ0प्र0 एथलेटिक्स संघ के समन्वय से प्रदेश स्तरीय समन्वय सब-जूनियर बालक/बालिका एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन 04 से 07 अक्टूबर, 2025 तक अयोध्या में किया जा रहा है।

उक्त के क्रम में जनपद जौनपुर के सब-जूनियर बालक/बालिका एथलेटिक्स खिलाड़ियों का जनपदीय चयन परीक्षण 04 अक्टूबर 2025 को पूर्वान्ह 10.00 बजे से इन्दिरा गांधी स्पोर्ट्स स्टेडियम सिद्दीकपुर में किया जायेगा। जनपद स्तर पर चयनित सब-जूनियर बालक/बालिका एथलेटिक्स खिलाड़ी ही 07 अक्टूबर 2025 को आयोजित मण्डल स्तरीय चयन/ट्रायल्स, जो डॉ0 सम्पूर्णानन्द स्पोर्ट्स स्टेडियम सिगरा, वाराणसी में प्रातः 9.00 बजे से किया जायेगा, में प्रतिभाग करेंगे। मण्डल स्तरीय चयन/ट्रायल्स उपरान्त मण्डल की टीम का गठन किया जायेगा, मण्डल स्तरीय टीम ही प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेगी। इच्छुक खिलाड़ी निर्धारित प्रारूप पर अपना पात्रता प्रमाण पत्र फोटो सहित तथा आयु प्रमाण-पत्र प्रधानाचार्य द्वारा प्रमाणित तथा आधार कार्ड के साथ, हाई स्कूल अंक पत्र की छायाप्रति साथ लेकर जनपदीय चयन/परीक्षण में प्रतिभाग कर सकते हैं।

पूर्व कुलपति प्रो.यू.पी. सिंह का निधन, शोक में डूबा विश्वविद्यालय

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के पूर्व कुलपति प्रो.यू.पी. सिंह का कल रात गोरखपुर में आकस्मिक निधन हो गया। निधन की खबर सुनते हैं विश्वविद्यालय में शोक लहर फैल गई। प्रो.सिंह एक प्रखर शिक्षाविद्, कुशल प्रशासक और विनम्र व्यक्तित्व के धनी थे। उन्होंने अपने जीवन का अधिकतर समय शिक्षा के क्षेत्र को समर्पित किया। पूर्वांचल विश्वविद्यालय के विकास और शैक्षणिक प्रतिष्ठा को नई ऊँचाइयाँ देने में उनका योगदान सदैव अविस्मरणीय है। वे न केवल विश्वविद्यालय के कुलपति रहे, बल्कि छात्रों एवं सहकर्मियों के लिए प्रेरणास्रोत और मार्गदर्शक भी थे। उनके निधन से शिक्षा जगत को अपूरणीय क्षति पहुँची है। उनका सरल स्वभाव, अनुशासनप्रियता और दूरदृष्टि सदैव स्मरणीय रहेगी। विश्वविद्यालय में शनिवार को शोकसभा कर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह, कुलसचिव केशलाल, परीक्षा नियंत्रक डॉ विनोद कुमार सिंह समेत परिसर के समस्त शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

महिला ने फांसी लगाकर किया आत्महत्या

महिला आर्थिक तंगी से थी परेशान, जिसके कारण वह तनाव में थी

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। चंदवक क्षेत्र के बीरी बारी सारेपुर गांव में एक महिला ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना तब हुई जब उसका पति कपड़े की फेरी लगाने घर से बाहर गया था। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। परिजनों ने बताया कि महिला आर्थिक तंगी से परेशान थी। उसने एक समूह से ऋण लिया था और उसकी किस्त चुकाने का समय नजदीक आ रहा था, जिसके कारण वह तनाव में थी। मृतका के पति बिकल निषाद के अनुसार, दोपहर में खाना खाने के बाद वह घर से निकलकर पास के पूजा पंडाल में चले गए थे। इसी दौरान उनकी पत्नी वंदना ने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर लिया। काफी देर तक वंदना के बाहर न आने पर उनकी बड़ी बेटी ने खिड़की से झांककर देखा। उसने पाया कि वंदना साड़ी के सहारे पंखे से फंदा लगाकर लटकी हुई थी। बेटी ने तुरंत शोर मचाकर अपने पिता को घटना की जानकारी दी।बिकल निषाद ने तुरंत घर आकर दरवाजा तोड़ा और कमरे में प्रवेश किया। उन्होंने वंदना को फंदे से नीचे उतारा, लेकिन तब उसकी मौत हो चुकी थी। वंदना के जेठ संतोष कुमार निषाद ने बताया कि वंदना ने उत्कर्ष माइक्रो बैंक से 60 हजार रुपए का समूह ऋण लिया था, जिसके गारंटर वे स्वयं थे। थाना प्रभारी सत्य प्रकाश सिंह ने जानकारी दी कि मायके पक्ष से अभी तक कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि शिकायत मिलने पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी और मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

पूर्व थाना प्रभारी अश्विनी चतुर्वेदी का लखनऊ में स्वीमिंग पूल में मिला शव

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के लंका, जैतपुरा और बड़ागांव सहित कई थानों के प्रभारी रहे अश्विनी चतुर्वेदी का शुक्रवार को लखनऊ में निधन हो गया। वे महानगर इलाके स्थित 35वीं वाहिनी पीएसी परिसर के स्वीमिंग पूल में स्नान करने गए थे, जहां उनकी मौत हो गई।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, उनकी मौत डूबने या हृदयाघात से हुई है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। वे अपनी वैगनआर कार से परिसर में पहुंचे थे। काफी देर तक जब वे बाहर नहीं लौटे तो लोगों ने तलाश शुरू की। इस दौरान उनकी कार और बैग स्वीमिंग पूल के ग्राउंड में मिला। बाद में पूल से उनका शव बरामद हुआ।

मूल रूप से अम्बेडकर नगर के निवासी थे, वही पे हुए पंचतत्व में विलीन। वाराणसी समेत विभिन्न थानों में प्रभारी रह चुके निरीक्षक अश्वनी चतुर्वेदी का शनिवार को गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार कर दिया गया। ग्राम केदारूपुर, जनपद अम्बेडकरनगर में सीओ प्रदीप सिंह चंदेल की मौजूदगी में पुलिस ने उन्हें अंतिम सलामी दी।

अंतिम संस्कार अम्बेडकरनगर के कम्हरियाघाट पर सम्पन्न हुआ। जहाँ बड़े पुत्र प्रांजल उर्फ.सोम चतुर्वेदी ने पिता को मुखाग्नि दी। इस दौरान परिजनों, ग्रामीणों और पुलिस विभाग के अधिकारियों की आंखें नम हो गईं और उनके पैतृक गांव के निवासिओं के घरों पे सन्नाटा पसरा हुआ है।

विश्व हृदय दिवस की पूर्व संध्या पर हुई संगोष्ठी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पूरी दुनिया हृदय रोगों से होने वाली मौतों से चिंतित एवं खौफजदा है।

लगभग 75 लाख लोगों की मौत 'उनसे उत्पन्न जटिलताओं की वजह से होती है, अचानक होने वाली मौतों में दुर्घटना के बाद सबसे अधिक हार्टअटैक से होती है। अनुमान है, कि हम समय से चेते नहीं तो हिन्दुस्तान हृदयरोगीयों का गढ़ बन जायेगा।पश्चिमी एवम् विकसित देशों में जागरूकता एवं सतर्कता से आज हृदयरोगीयों की संख्या में कमी आयी है। सत्तर एवं अस्सी के दशक में हृदयाघात पश्चिमी देशो एवम् अमीरो का रोग माना जाता क्योकि मोटापा, मधुमेह, उच्चरक्तचाप, धुम्रपान, निष्क्रिय जीवन शैली बड़े लोगो एवम अमीरों मे मुख्यता होता था। तथा ये सारे लक्षण-स्टेटस सिम्बल की तरह माना जाता था, परंतु बदलती वैश्विक अर्थव्यवस्था एवम् औद्योगीकरण एवम् प्रतिस्पर्धा मेंइन चारो दिल के दुश्मनों को समाज के कोने-कोने तक पहुचा दिया है। हर नौवा व्यक्ति उच्चरक्त चाप से पीडित है, हर सातवा व्यक्ति मधुमेह से पीड़ित है, धुम्रपान एवम् जीवन शैली लगभग हर चौथे व्यक्ति में असामान्य है।हिन्दुस्तान में लगातार मधुमेह, उच्चरक्तचाप मोटापा बढ़ है रहा है, धूम्रपान नशे की प्रवृत्ति बढ़ रही है। हृदयाघात की घटनाएं प्रतिदिन किसी न किसी परिवार को विपन्नता की स्थिति में पहुँचा रहे हैं। पुरुषों से महिलाओं की तरफ शहर से गांव की तरफ एवं अमीरों से गरीबों की तरफ हृदय घाट महामारी फैल रही है हृदय घाट की घटना में मृत्यु दर 40% है। यदि हम इलाज का खर्चा देखे तो महंगे एवं समय पर इलाज का बोझ 40% से अधिक आबादी इलाज कर पाने की स्थिति में नहीं होते हैं। एंजियोग्राफी, एन्जीयोप्लास्टी, बाईपास,पेसमेकर वाल्व तक पहुंचाना आम नागरिक की हद में नहीं है, परंतु जागरूकता एवं हृदय रोगों के प्रति सतर्कता आपका बहुमूल्य जीवन बचा सकती है आपको महंगे इलाज एवं अपाहिज होने से भी बचा सकती है। आप दिल के दुश्मनों से दूर रहें मोटापा, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, नशा एवं संयमित जीवन शैली को यदि नियंत्रित करते हैं तो आप हृदय घाट के दुष्परिणामों से बच सकते हैं। आज ही संकल्प लें वजन नियंत्रित रखेंगे, रक्तचाप की दवा खाएंगे, मधुमे नियंत्रित करेंगे एवं नशे की प्रवृत्ति से बचेंगे व्यायाम को अपनी दिनचर्या में शामिल करेंगे तथा प्राकृतिक एवं साधारण भोज पदार्थ का सेवन करेंगे ।आपको जानकर आश्चर्य होगा जो जीव प्रकृति के नजदीक रहते हैं एवं शाकाहार व प्रकृति प्रदत्त वस्तुओं पर निर्भर रहते हैं उनमें हृदय घाट नहीं होते सूअर, घोड़ा, गधा, गाय, हाथी आदि इन सब जानवरों को हृदयाघात नहीं होते हैं।

परम्परा एवं धूमधाम से सम्पन्न हुआ नखास का डांडिया महोत्सव

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मां दुर्गा पूजन समिति नवीन नव दीप संस्था द्वारा आयोजित नखास का डांडिया महोत्सव बीती रात धूमधाम से सम्पन्न हो गया। तीन अलग-अलग श्रेणी में हुये महोत्सव में सिंगल, डबल एवं ड्रेस में अव्वल आये प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार दिया गया। वहीं अच्छे प्रदर्शन पर 10 अन्य प्रतिभागियों केा सम्मानित के साथ सभी को सांत्वना देते हुये कई सहयोगियों को भी पुरस्कृत किया गया। नगर के मोहल्ला नखास में बनाये गये पूजन पण्डाल के समक्ष आयोजित डांडिया महोत्सव लोटस लेडिज हब के बैनर तले हुआ जहां अतिथियों के रूप में आरती जायसवाल शिक्षिका, उषा जायसवाल प्रदेश सचिव सपा महिला सभा, स्वर्णिमा जायसवाल नगर उपाध्यक्ष भाजपा, उर्वशी सिंह समाजसेविका, पिंकी गुप्ता मौजूद रहीं। महोत्सव की अध्यक्षता समाजसेविका विदिशा जायसवाल एवं संचालन रीतेश जायसवाल ने किया। इस मौके पर आये लोगों का स्वागत पम्मी जायसवाल एवं बिम्मी जायसवाल ने किया। वहीं महोत्सव में आये समस्त आगंतुकों के प्रति आभार मुस्कान विश्वकर्मा एवं माला जायसवाल ने संयुक्त रूप से ज्ञापित किया।

एकल में सिद्धि, जोड़ी में आराध्या-सिद्धि, ड्रेस में पीहू ने मारी बाजी

महोत्सव को 3 श्रेणियों को विभाजित किया गया था। प्रथम श्रेणी सिंगल (एकल) डांडिया था जिसमें सिद्धि शर्मा प्रथम, आराध्या टण्डन द्वितीय, वैष्णवी गुप्ता तृतीय आयी। वहीं डबल (जोड़ी) डांडिया में आराध्या टण्डन-सिद्धि शर्मा प्रथम, श्रुति गुप्ता-जसप्रीत कौर द्वितीय, देविका-भूमि तृतीय आयी। साथ ही ड्रेस में पीहू प्रथम, ज्योति जायसवाल द्वितीय, जसप्रीत कौर तृतीय आयी। इसके बाद मंचासीन अतिथियों ने सभी को स्मृति चिन्ह सहित अन्य उपहार देकर सम्मानित किया।

डांडिया महोत्सव ने गुजरात की याद दिलायी तो इन्द्रदेव भी हुये प्रसन्न

महोत्सव में शामिल प्रतिभागियों ने ऐसा डांडिया खेला कि उपस्थित लोगों को गुजरात का प्रसिद्ध त्योहार डांडिया-गरबा की याद आ गयी। उपस्थित सभी लोगों ने उस पल को अपने मोबाइल के कैमरे में कैद किया। सैकड़ों लोगों की उपस्थिति हुये महोत्सव में बीच-बीच में लगाये गये जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया था। वहीं तेज आंधी के साथ बारिश हुई तो सभी ने एक स्वर में कहा कि डांडिया-गरबा से इन्द्रदेव प्रसन्न हो गये जिन्होंने माता रानी के दरबार में आकर अपनी उपस्थिति दर्ज करा दी।

इन गणमान्य लोगों की रही उपस्थिति

जौनपुर के नखास का डांडिया महोत्सव का काफी पुराना, प्रचलित एवं ऐतिहासिक है जहां तमाम गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही। इस अवसर पर मौके पर खेलकूद मंत्री गिरीश चन्द्र यादव के पीआरओ इं. कृष्ण कुमार जायसवाल, अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद के जिलाध्यक्ष अजय पाण्डेय, श्री लक्ष्मी पूजा महासमिति के अध्यक्ष कृष्ण कुमार जायसवाल, पूर्व अध्यक्ष चन्द्रशेखर निषाद बबलू, पत्रकार संजय शुक्ला, समाजसेवी अनिल मिश्र बंडुल, गोपाल निषाद, नवीन नव दीप संस्था के पूर्व अध्यक्ष अनिल जायसवाल, मनोज निषाद, राकेश निषाद, विनय मौर्य एडवोकेट, योगेश जायसवाल, वैभव वर्मा, अमन अग्रहरि, सुमित जायसवाल, शुभम सरोज, मनीष सरोज, चुनमुन जायसवाल, आदेश निषाद, आर्यन जायसवाल, मनीला जायसवाल, तेजस्वी, तेजवी, तेजस, मान्वी, शान्वी सहित तमाम गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पुलिस मुठभेड़ में अभियुक्त को गोली लगी

आजमगढ़। जनपद के रौनापार थाना क्षेत्र में रामजानकी मंदिर, जोकहरा पुलिया के पास पुलिस और अभियुक्त छोटू पुत्र लौटन के बीच मुठभेड़ हुई। अभियुक्त ने पुलिस पर फायरिंग की, जिसके जवाब में पुलिस की आत्मरक्षार्थ फायरिंग में छोटू के दाहिने पैर में गोली लगी। घायल अभियुक्त को गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने उसके कब्जे से एक .315 बोर तमंचा, एक जिंदा कारतूस और एक खोखा कारतूस बरामद किया। 26 सितंबर 2025 को रौनापार थाना क्षेत्र में एक 13 वर्षीय बच्ची के साथ छेड़खानी की घटना सामने आई थी। पीड़िता की मां की शिकायत पर पुलिस ने तत्काल मुकदमा (मु.अ.सं. 364/25, धारा 74, 118(1) बीएनएस, 7/8 पॉक्सो एक्ट) दर्ज किया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार के निर्देश पर गठित पुलिस टीम ने साक्ष्य संकलन और तकनीकी जानकारी के आधार पर अभियुक्त छोटू को चिन्हित कर गिरफ्तारी के लिए दबिश दी। मुठभेड़ के बाद अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया गया।

दो पहिया वाहन से अनियंत्रित होकर गिरने से एक की मौत

-मो.आसिफ सिद्दीकी

मानीकलाँ, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना खेतासरय क्षेत्र के ग्राम बरंगी बाजार के पास अल्ताफ अहमद पुत्र फैयाज अहमद आयु 42 वर्ष निवासी हाडही का शाम 4 बजे जो मानीकलाँ से अपने घर हाडही जा रहे ।अपनी सुपर स्प्लेंडर दो पहिया वाहन से जिसका नम्बर यू .पी.62 सी डब्लू 2564 है ।जो बरंगी तिरहा के पास अनियंत्रित होकर बाइक गिर गई । गंभीर चोटे आने के कारण मौके पर ही मृत्यु हो गई। गांव के लोगो का कहना है की इनकी पुत्री की सादी 28/10/2025 को होनी थी ।घर का एकलौता परिवार चलाने वाला था, ग्राम प्रधान हाडही थाना सरायख्वाजा जनपद की मौजूदगी में पंचनामा होने के बाद पुलिस ने शव को परिजनों को सुपुर्द कर दिया। जैसे ही शव गांव में पहुँचा पूरे गांव शोक में डूब गया, परिजनों का रो रो कर बुरा हाल था,क्योंकि अक्टूबर में बिटिया की शादी होने वाली थी सभी तैयारिया पूरी हो चुकी थी । किसी को क्या पता था की बीच रास्ते में ही साथ छूट जायेगा ।

मस्जिद के पास "I Love Muhammad S. का बैनर लगाने पर विवाद ,पुलिस ने शांतिपूर्ण ढंग से कराया निस्तारण

-दिनेश कुमार विश्वकर्मा

मीरगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। ग्राम करियांव, थाना मीरगंज, जिला जौनपुर में शनिवार 27 सितम्बर 2025 की सुबह एक घटना सामने आई। गांव करियांव के अंतर्गत बड़ी मुस्लिम बस्ती की मस्जिद के पास मुस्लिम वर्ग के कुछ नाबालिग बच्चों द्वारा "I Love MuhÔmmÔd S. का पोस्टर/बैनर लगाया गया। इस पर दूसरे संप्रदाय के लोगों ने आपत्ति जताई और विरोध किया। सूचना मिलते ही थाना मीरगंज पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और स्थिति को गंभीर होते देख मुस्लिम वर्ग के बच्चों को थाने बुलाया। पुलिस ने दोनों पक्षों की बात सुनकर मामले का समाधान कराया और आपसी समझौते से विवाद को शांतिपूर्ण ढंग से निस्तारित कर दिया। पुलिस प्रशासन की तत्परता से गांव में माहौल शांतिपूर्ण बना हुआ है।

मिशन शक्ति फेज-5 के तहत ईडन पब्लिक स्कूल में जागरूकता गोष्ठी

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के जौनपुर मार्ग सबरहद स्थित इडेन पब्लिक स्कूल में बुधवार को मिशन शक्ति फेज-5 के अंतर्गत कोतवाली पुलिस की ओर से जागरूकता गोष्ठी का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल के प्रबंधक परवेज आलम भुट्टो ने की। मुख्य अतिथि प्रभारी निरीक्षक दीपेंद्र सिंह ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि महिलाएं खुद जागरूक रहें और आसपास के लोगों को भी जागरूक करें। पुलिस किस तरह से महिलाओं की मदद करती है। इसकी विस्तृत जानकारी दी। प्रबंधक परवेज आलम भुट्टो ने कहा कि मिशन शक्ति केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि महिलाओं को आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनाने का जन आंदोलन है। नारी का सम्मान ही समाज का गौरव है और उसकी सुरक्षा हम सबकी जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में छात्राओं ने नगर और आसपास क्षेत्र में महिलाओं की सुरक्षा, शिक्षा, स्वाथ्य, कानूनी अधिकार और हेल्पलाइन नंबरों (1090, 181, 1098, 112 आदि की जानकारी दी गयी।

शारदीय नवरात्रि के छठवें दिन भी हुआ सांस्कृतिक आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शारदीय नवरात्रि के शुभ अवसर पर संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में जनपद जौनपुर स्थित माँ शीतला चौकिया धाम मंदिर प्रांगण में एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आज के कार्यक्रम की मुख्य कलाकार प्रमिला देवी रहीं, जिन्होंने मैया निमिया के डरिया मैया नावेली जुलनवा हो,जूली जूलीना देवी जैसे देवी गीतों की भावपूर्ण प्रस्तुति दी। उनकी संगीतमयी प्रसुति से संपूर्ण मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा। इस अवसर पर संस्कृति विभाग के अधिकारी डा. राम नरेश पाल (क्षेत्रीय पुरातत्व अधिकारी) वाराणसी इकाई प्रथम सूरज यादव (पुरातत्व विभाग), आनन्द मिश्रा, आनन्द निषाद उपस्थित रहे। साथ ही माँ शीतला चौकिया धाम के प्रांगण में महंत विवेकानंद, विनय तिवारी, आशीष माली सहित मंदिर के अन्य पंडित एवं पुजारीगण भी उपस्थित रहे और उन्होंने मां दुर्गा के चरणों में अपनी भक्ति अर्पित की।

नालासोपारा में जीएसटी दर में कटौती से व्यापारी वर्ग में खुशी की लहर

नालासोपारा। केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में घोषित की गई जीएसटी दरों में कटौती के निर्णय का असर स्थानीय स्तर पर साफ तौर पर देखा जा रहा है। नालासोपारा पूर्व के तुलिंज रोड क्षेत्र में व्यापारियों और आम नागरिकों ने इस फैसले का जोरदार स्वागत किया है। इस अवसर पर नालासोपारा के विधायक राजन नाइक ने क्षेत्र का दौरा कर व्यापारियों और नागरिकों से संवाद किया। लोगों के चेहरों पर नजर आ रही संतुष्टि और मुस्कान ने इस निर्णय की लोकप्रियता को और भी स्पष्ट कर दिया। विधायक नाइक ने कहा कि ₹यह फैसला निश्चित रूप से छोटे व्यापारियों और आम जनता को राहत देगा और बाजार में रौनक लौटेगी। लोगों ने एक स्वर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद देते हुए कहा कि नवरात्रि जैसे पावन पर्व पर यह तोहफा उनकी खुशियों को दोगुना कर गया है। व्यापारी समुदाय ने आशा जताई कि आगे भी सरकार इसी तरह जनहित में निर्णय लेती रहेगी, जिससे देश की अर्थव्यवस्था मजबूत हो और आमजन को राहत मिले।

वसई पश्चिम में भारत को जानो प्रतियोगिता संपन्न

-मोहित दुबे

वसई - (उत्तर शक्ति)। शनिवार को समाज उन्नति हाल वसई वेस्ट में भारत विकास परिषद वसई शाखा ने संस्कार प्रकल्प के अंतर्गत गुरु वंदन छात्र अभिनंदन और भारत को जानो' प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया। इसमें कुल आठ स्कूलों के 49 छात्र-छात्राओं ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। इस आयोजन में मुख्य अतिथि सौ.मंगला धुरी, प्रेक्षक सौ.मेघा अग्रवाल, अध्यक्ष सौ.स्वाति आचार्य, सचिव सौ.प्रज्ञा भार्गव , कोषाध्यक्ष सौ. प्रिया शुक्ला , संयोजिका सौ. प्रभा मंगला, प्रदीप भार्गव, हरिहरन वैद्यनाथन, जगदीश शास्त्री, सौ. फाल्गुनी राजपूत, सो मधुस्मिता जैना एवं अन्य सदस्य उपस्थित थे। इस आयोजन का मूल उद्देश्य बच्चों में संस्कार, गुरु शिष्य परंपरा एवं भारत के प्रति जागरूकता निर्माण करना है। सभी छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र एवं विजेताओं को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम की शुरूआत वंदे मातरम से की गई और और समापन राष्ट्रगीत से किया गया।

खेड़ापा धाम के आचार्य स्वामी पुरुषोत्तमदास का हुआ भामाशाह सम्मान

जोधपुर। राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर, जयपुर में आयोजित हुए दशम राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस समारोह में श्री रामधाम खेड़ापा के आचार्य पुरुषोत्तमदास महाराज को समाजसेवा और जनहित में किए अद्वितीय योगदान के लिए उन्हें भामाशाह सम्मान से नवाजा गया।आपको बता देवे कि आचार्य ने राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 62 पर स्थित बैशकीमती 1100 वर्गगज भूमि आयुर्वेद विभाग को नव निर्माण हेतु भूमिदान की है।

यहां के सरपंच जेठाराम माचरा व समाजसेवी रामपाल प्रजापत संयुक्त रूप से जानकारी दी कि इस सम्मान को प्रदान करने हेतु शनिवार को आयुर्वेद विभाग जोधपुर की उप निदेशक डॉ. अंजू नागर स्वयं खेड़ापा धाम पधारकर आचार्य पुरुषोत्तमदास जी को शाल,प्रशस्ति-पत्र एवं मोमेंटो अर्पित कर उनका बहुमान किया। इस सम्मान बेला पर खेड़ापा के सरपंच जेठाराम माचरा,विभाग के वरिष्ठ सहायक मदनसिंह राजपुरोहित,दीपाराम रामस्नेही,मंगलाराम सैन,भक्ति राम रामस्नेही,सहित कई गणमान्य जन उपस्थित रहे। जयपुर में आयोजित हुए इस सम्मान समारोह में राजकीय आयुर्वेद औषधालय,खेड़ापा के सेवाभावी,वरिष्ठ आयुर्वेद कम्पाउंडर भोमाराम चौधरी को भी उनके सतत समर्पण और प्रेरक कार्यों के लिए प्रेरक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आयुष विभाग के प्रमुख शासन सचिव सुबीर कुमार,उप शासन सचिव इंद्रजीत सिंह और विभाग निदेशक डॉ.आनंद कुमार शर्मा ने शॉल, प्रशस्ति-पत्र और स्मृति-चिन्ह भेंट कर आचार्य श्री व कंपाउडर भोमाराम का अभिनंदन किया। जयपुर में आयोजित हुए इस ऐतिहासिक आयोजन में संत समाज के गणमान्य,आयुर्वेद विभाग के अधिकारी-कर्मचारी और अनेक आयुष मनीषी वहां उपस्थित रहे।

लटकते तारों तथा जर्जर खंभों को प्राथमिकता पर चिह्नित करते हुए बदला जाए: जिलाधिकारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ० दिनेश चंद्र के निर्देश के क्रम में अधिशासी अभियंता जौनपुर नगर ने अवगत कराया है कि जनपद में अनुरक्षण माह एवं विद्युत दुर्घटनाओं से बचाव हेतु विद्युत विभाग द्वारा माह अगस्त 2025 में नगर क्षेत्र के मुख्य मार्गो एवं प्रमुख मोहल्लों में कुल 110 नग जर्जर एस०टी० पोल बदले गये, 153 नग खुले हुए एल०टी० डिस्ट्रीब्यूशन बाक्श बदल गये सुरक्षा की दृष्टि से 174 नग एस०टी० पोल पर प्लास्टिक लगाया गया तथा 11 नग वितरण परिवर्तकों की सुरक्षा की दृष्टि से फेंसिग का कार्य कराया गया। उन्होंने यह भी अवगत कराया गया है कि शेष बचे हुए जर्जर पोलो के बदलने की कार्य प्रगति पर है एवं सुरक्षा की दृष्टिगत से समस्त कार्य को पूर्ण कराया जायेगा। जिलाधिकारी द्वारा पूर्व में भी बैठक आयोजित कर अधीक्षण अभियंता विद्युत- प्रथम, द्वितीय खंड अधिशासी अभियंता- प्रांतीय खंड, निर्माण खंड अधिशासी अभियंता- जल निगम शहरी/ ग्रामीण, समस्त अधिशासी अधिकारी को आगामी त्योहारों के दृष्टिगत शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में समस्त विद्युत खंभों, सड़कों, नाली, गड्ढों आदि का स्थलीय निरीक्षण करते हुए जर्जर खंभे गड्ढे आदि जिससे किसी भी प्रकार की दुर्घटना अथवा जनहानि की संभावना है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर चिह्नित करते हुए तत्काल मरम्मत कार्य कराए जाने के निर्देश देते हुए सात दिवस के भीतर रिपोर्ट उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए गए है। जिलाधिकारी द्वारा प्रबंध निदेशक पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, वाराणसी से पत्राचार कर ग्रामीण/ नगरीय क्षेत्रों में लटके हुए तार तथा सभी जर्जर विद्युत खंभों को अब तक ना बदले जाने के संबंध में अवगत भी कराया गया है तथा अपेक्षित कार्यवाही हेतु अनुरोध किया गया है जिससे प्रतिस्थापन

राष्ट्रवादी नौजवान सभा के तहत लगे निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर हजारों की संख्या में लोग हुए लाभान्वित

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जनपद के बदलापुर क्षेत्र स्थित श्री आर.पी. कॉलेज ऑफ फामेर्सी, खजुरन में संगठन के संस्थापक धनंजय सिंह के आवाहन पर संस्था के पदाधिकारियों ने भगत सिंह की जयंती के पूर्व दिवस पर निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। जिसमें क्षेत्र के लगभग हजारों की संख्या में लोगों ने डॉक्टरों से निःशुल्क परामर्श व दवाएं ली। जनपद के ख्यातिलब्ध चिकित्सक डॉ.संजय सिंह, डॉ.राबिन सिंह, डॉ. एम.एस. अब्बास,डॉ.संदीप देशमुख, डॉ. उत्तम गुप्ता, डॉ. बृजेश कन्नोजिया, डॉ. विपुल सिंह, डॉ. निदा सलाम, डॉ.एस डी अब्बासी, डॉ. अजीत कुमार व डॉ. संदीप मौर्या रहे। वाराणसी के पापुलर हॉस्पिटल से डॉ.के.पी. सिंह, डॉ.विकास मिश्रा व डॉ.प्रियंका जायसवाल जी ने उपस्थिति दर्ज कराते हुए श्रमदान किया। कार्यक्रम की शुरूआत विधान परिषद सदस्य बृजेश सिंह प्रिंसू जी द्वारा शहीद ए आजम भगत सिंह के तस्वीर पर माल्यार्पण करते हुए की गई। इस कार्यक्रम में संस्था अध्यक्ष नवीन सिंह , प्रबंधक प्रमोद शुक्ला , सचिव राना सिंह, कोषाध्यक्ष हैदर अब्बास समेत सदस्य रहे वहीं जिला इकाई से जिला संरक्षक अशोक सिंह ,जिला प्रभारी पुष्पेन्द्र सिंह पिंकू, जिलाध्यक्ष रतनदीप शर्मा साजन ,जिला संगठन मंत्री (जफराबाद) राजू निषाद ,बक्सा ब्लॉक अध्यक्ष पिंटू चौहान, सिकरारा ब्लॉक प्रभारी अवधेश निषाद समेत सैकड़ों सदस्यों की भागीदारी रही। कार्यक्रम समापन पर संस्था ने सभी को सम्मानित करते हुए इस कार्यक्रम को सफल बनाने और सुदूर ग्रामीण क्षेत्र में उपस्थित होकर श्रमदान करने के लिए धन्यवाद दिया।

बरेली के मौलाना तौकीर रजा को सीएम योगी की कड़ी चेतावनीद बोले दंगा भड़काया तो 7 पीढ़ियां सोचेंगी

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में 'आई लव मोहम्मद' को लेकर शुक्रवार को हुई हिंसक झड़प पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने अपने बयान में कहा कि बरेली में एक मौलाना भूल गया कि राज्य में कौन सत्ता में है। उसे लगा कि वह अपनी मर्जी से व्यवस्था रोक सकता है, लेकिन हमने साफ कर दिया कि न तो कोई नाकाबंदी होगी और ना ही कर्फ्यू. हमने जो सबक सिखाया है, वह आने वाली पीढ़ियों को दंगे भड़काने से पहले दो बार सोचने पर मजबूर कर देगा। राज्य में अब दंगे या कर्फ्यू की कोई गुंजाइश नहीं है। बरेली के मौलाना तौकीर रजा द्वारा व्यवस्था को बाधित करने के प्रयास को नाकाम करते हुए योगी ने चेतावनी दी कि भविष्य में ऐसी कोशिश करने वाले 7 पीढ़ियों तक सोचेंगे। घटना बरेली के एक मस्जिद के बाहर घटी, जहां इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल के प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खान के समर्थकों ने 'आई लव मोहम्मद' के समर्थन में प्रदर्शन का आयोजन किया था। जुमे की नमाज के बाद भीड़ ने पुलिस पर पथराव किया, जिसमें 10 पुलिसकर्मी घायल हो गए। स्थिति बिगड़ते ही पुलिस ने लाठीचार्ज कर भीड़ को तितर-बितर कर दिया था। बरेली एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि उपद्रवी हिरासत में हैं और पूछताछ चल रही है। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए 12 कंपनियों की रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) और रिजर्व रिजर्व फोर्स (आरआरएफ) तैनात की गई हैं। आईजी अजय साहनी और डीएम ने संवेदनशील इलाकों में फ्लैग मार्च भी किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2017 से पहले यूपी में यह आम बात थी, लेकिन 2017 के बाद हमने कर्फ्यू तक की इजाजत नहीं दी, उत्तर प्रदेश की विकास गाथा यहीं से शुरू होती है। योगी का यह बयान राज्य में शांति और विकास पर जोर देता है।

मोहम्मद हसन पीजी. कॉलेज से निकाली गयी साइकिल यात्रा

प्राचार्य डॉ. अब्दुल कादिर ने हरी झंडी दिखाकर साइकिल यात्रा किया रवाना

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकसित भारत 2047 की थीम पर राष्ट्रीय सेवा योजना सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत मोहम्मद हसन पी.जी. कॉलेज के स्वयंसेवकों ने साइकिल यात्रा निकाला गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अब्दुल कादिर खान द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इसके उपरांत स्वयंसेवक वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय पहुँचे, जहाँ कुलपति प्रो. वन्दना सिंह, नोडल अधिकारी प्रो. राकेश कुमार यादव, सहायक नोडल अधिकारी डॉ. अनुराग मिश्रा (विधि विभाग) , कार्यक्रम समन्वयक डॉ. राजबहादुर यादव एवं सर्वेश यादव ने भी यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यात्रा के दौरान स्वयंसेवक गोद लिए गए गाँवों से होते हुए पुनः विश्वविद्यालय पहुँचे। इस अवसर पर वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. ममता सिंह, डॉ. जीवन यादव, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नीलेश कुमार सिंह, डॉ. विवेक विक्रम सिंह, डॉ. अमित कुमार जायसवाल, डॉ. अरविंद कुमार, मोहम्मद जयेस खान ,मो. अब्बास खान डॉ. प्रवीण यादव उपस्थित रहे। साइकिल यात्रा में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ शामिल हुए। प्रतिभागियों में आंचल मौर्या, सुमित सिंह, अंशुमान शाह, राजन पांडे, सुजीत प्रजापति, अनुज मौर्य, हर्ष यादव, प्रियांशु मौर्य, अवनीश प्रजापति, शुभम यादव, आदर्श सिंह, नीतिश पाठक, मो. नसीम, मनीष यादव, अमन कुमार, विनीत मौर्य, सुयश मिश्रा, अमन प्रजापति, जतिन चौहान, प्रवीण कुमार मौर्य, मो. अनीस खान, नितिन कुमार, सागर कनौजिया, अल्तमस पठान तथा जाकिर अली शामिल रहे।

ठाणे जिला योजना समिति की बैठक सफलतापूर्वक संपन्न

मीरा-भायंदर के लिए महत्वपूर्ण निर्णय

ठाणे। ठाणे जिला योजना समिति की बैठक उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें जिले के वरिष्ठ अधिकारी और संबंधित विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में मीरा-भायंदर शहर के विकास से जुड़े कई अहम मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया और कई ठोस निर्णय लिए गए। इस बैठक में सबसे महत्वपूर्ण निर्णय जलापूर्ति, सड़क मरम्मत, और पशु चिकित्सा सुविधा से संबंधित रहे:125 एमएलडी पानी मीरा-भायंदर शहर को स्वीकृत कोटे के अनुसार बिना किसी कटौती के उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे नागरिकों को निर्बाध जल आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। शहर की सड़कों की गड्ढों की मरम्मत और

रखरखाव का कार्य अब मीरा-भायंदर नगर निगम को सौंपा जाएगा, जिससे स्थानीय स्तर पर कार्य की निगरानी और गुणवत्ता बेहतर हो सकेगी। भायंदर पश्चिम के मुर्ध गाँव में स्थित ठाणे जिला परिषद की संपत्ति को मीरा-भायंदर नगर निगम को हस्तांतरित किया जाएगा। इस भूमि पर एक नया पशु चिकित्सालय स्थापित किया जाएगा, जो क्षेत्र के पशुपालकों और नागरिकों के लिए बड़ी राहत साबित होगा। भाजपा नेता नरेंद्र मेहता ने इन निर्णयों का स्वागत करते हुए कहा कि, ₹इन महत्वपूर्ण फैसलों से मीरा-भायंदर शहर में जल आपूर्ति, सड़क सुधार और पशु चिकित्सा सेवाओं का निश्चित रूप से विकास होगा। यह शहरवासियों के लिए बड़ी खुशी की बात है। इस बैठक से यह स्पष्ट होता है कि सरकार मीरा-भायंदर क्षेत्र के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है और जमीनी स्तर पर ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

स्नेहा दुबे ने किया 'कर्मयोद्धा पुस्तकालय' का उद्घाटन, पूर्व राज्यपाल राम नाईक को समर्पित

वसई रोड। ज्ञान, संस्कृति और विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए वाघोली में ₹कर्मयोद्धा पुस्तकालय₹ का भव्य उद्घाटन किया गया। यह पुस्तकालय वाघेश्वरी माता संस्था द्वारा वरिष्ठ नेता एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व राज्यपाल राम नाईक के नाम पर समर्पित किया गया है।

इस पुस्तकालय का उद्घाटन वसई की विधायक स्नेहा दुबे ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत छत्रपति शिवाजी महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई। नवरात्रि के पावन अवसर पर स्नेहा दुबे ने वाघोली स्थित वाघेश्वरी माता मंदिर में दर्शन कर आशीर्वाद भी प्राप्त किया। इस अवसर पर नालासोपारा विधानसभा के विधायक राजन नाइक, रामदास मेहर, वसई पश्चिम मंडल अध्यक्ष आशीष जोशी, चंद्रकांत वाजे, सुधीर मेहर, नवनीत निजाई, भूपेश राऊत, मयंक सेठ, मिक्की आनंद, उदय नाइक, मयूर नाइक, रुशाल म्हात्रे, राजेश नाइक, श्रीमती विजेता सुर्वे, युग वर्तक सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी, कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक उपस्थित थे। कर्मयोद्धा पुस्तकालय का उद्देश्य वाघोली और आसपास के क्षेत्रों के युवाओं और छात्रों को अध्ययन और आत्मविकास के लिए एक समर्पित स्थान प्रदान करना है।

इस पहल को स्थानीय समुदाय ने बहुत सराहा और इसे एक गर्व का क्षण बताया। इस मौके पर वक्ताओं ने राम नाईक के सार्वजनिक जीवन में किए गए योगदानों को याद किया और इस पुस्तकालय को उनके विचारों और मूल्यों का प्रतीक बताया।

विधायक आपके बीच कार्यक्रम में संजय केलकर की सक्रिय भागीदारी

ठाणे। भाजपा कार्यालय खोपट, ठाणे में आयोजित ₹विधायक आपके बीच₹ कार्यक्रम में विधायक संजय केलकर की उपस्थिति में बड़ी संख्या में ठाणे के नागरिकों ने हिस्सा लिया। इस संवाद सत्र में नागरिकों ने ढोकाळी में पिछले 14 वर्षों से अधूरे पड़े प्रोजेक्ट्स और बिल्डरों द्वारा की जा रही धोखाधड़ी को लेकर अपनी चिंता व्यक्त की। कार्यक्रम के दौरान म्हाडा और मनपा कर्मचारियों की पदोन्नति, अनधिकृत निर्माण, एस.आर.ए. व क्लस्टर प्रोजेक्ट्स, और रोजगार से जुड़ी अड़चनों जैसे अनेक मुद्दों पर खुलकर चर्चा हुई। नागरिकों ने शहर में फुटपाथों पर बढ़ते अनधिकृत स्टॉल्स को लेकर भी गहरी नाराजगी जताई। विधायक संजय केलकर ने इन मुद्दों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए और कुछ समस्याओं का समाधान मौके पर ही सुनिश्चित किया। उन्होंने कहा, ₹बिल्डरों से हो रही धोखाधड़ी गंभीर चिंता का विषय है, नागरिकों को सतर्क रहना होगा। इस अवसर पर पूर्व उपमहापौर अशोक भोईर सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

यह जनसंवाद कार्यक्रम हर सोमवार और शुक्रवार सुबह 10:30 से दोपहर 2 बजे तक भाजपा कार्यालय, खोपट, ठाणे में आयोजित किया जाता है, जिसमें नागरिक सीधे विधायक से मिलकर अपनी समस्याएं साझा कर सकते हैं।

कृषि उद्यमिता को बढ़ावा दे रही सरकार, एग्रीजंक्शन लाभार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण केन्द्र (आरसेटी) सिद्दीकपुर में शनिवार को प्रशिक्षित कृषि उद्यमी स्वावलंबन योजना (एग्रीजंक्शन) के चयनित 19 लाभार्थियों को 13 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के बाद प्रमाण-पत्र वितरित किया गया। उप परियोजना निदेशक आत्मा डा0 रमेश चन्द्र यादव ने प्रशिक्षित लाभार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित करके बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार बेरोजगार कृषि स्नातकों को स्वावलंबी बनाने के लिए एग्रीजंक्शन योजना चला रही है जिससे एक ही छत के नीचे किसानों को सभी कृषि निवेश उपलब्ध होने के साथ साथ उचित परामर्श भी मिलेगा जिससे किसानों की आमदनी बढ़ने के साथ कृषि स्नातकों को रोजगार भी मिलेगा। उन्होंने ने लाभार्थियों को योजनान्तर्गत प्राप्त होने वाले अनुदान एवं ऋण के विषय मे विस्तार से जानकारी दिया। अन्त में आभार ज्ञापन संस्थान के निदेशक उपेन्द्र कुमार द्वारा किया गया। इस मौके पर वरिष्ठ संकाय अभिषेक दूबे, जगदीश गौड़ सहित प्रशिक्षित 19 लाभार्थी मौजूद रहे।

रेप केस में फंसाने की धमकी देकर नौकरानी ने बुजुर्ग से वसूले 15 लाख रुपये

भिलाई। बीएमवाई चरोदा निवासी 75 वर्षीय बुजुर्ग को डरा धमका कर पैसा वसूलने वाली नौकरानी को पुरानी भिलाई पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपिया ने वसूल की गई रकम से एक प्लॉट खरीदने के साथ ही पांच लाख रुपये अपने बैंक खाते में जमा किए थे। थाना पुरानी भिलाई पुलिस ने बताया कि वार्ड-24 बीएमवाई चरोदा निवासी प्रार्थी एक 75 वर्षीय वरिष्ठ नागरिक एवं बीमार व्यक्ति है। सेवानिवृत रेल कर्मचारी है तथा पत्नि की मृत्यु उपरांत एकाकी जीवन व्यतीत करता रहा है। खाना पकाने, घर की साफ-सफाई हेतु केयर टेकर के रूप में एक महिला को दस हजार रुपये प्रतिमाह पर अगस्त 2018 में रखा था। लगभग तीन-चार साल बाद आरोपिया घर के काम में कोताही बरतने लगी। खाना पकाने में लापरवाही बरतने लगी जिस पर उसे कहने पर वह जवाब देने लगी, विवाद करने लगी।

प्रार्थी को पुलिस थाना में अपने साथ दुष्कर्म की झूठी शिकायत कर झूठे प्रकरण में फंसाने की धमकी देते हुए आरोपिया द्वारा प्रार्थी को अपनी पहचान बड़े-बड़े अधिकारियों से होना कहकर यौन शोषण के केस में अंदर करवा दूंगी कहकर लगातार डराती धमकाती रही। जिसे बुजुर्ग डरकर चुपचाप सहता रहा और उन्होंने चेक के माध्यम तीन लाख, सात लाख रुपये तथा पांच लाख रुपये आरोपिया को दे दिए, जिससे आरोपिया बुजुर्ग को परेशान न करे।

किंतु उक्त रकम प्राप्त करने के बाद भी आरोपिया द्वारा पुनः चालीस लाख रुपये मांग की गई। इस प्रकार आरोपिया द्वारा प्रार्थी के अकेलेपन का फायदा उठाकर ब्लैक मैलिंग कर प्रार्थी से लगातार पैसा वसूल करती रही। शिकायत पर पुलिस ने अपराध पंजीबद्ध कर आरोपिया को गिरफ्तार कर लिया। आरोपिया को पूछताछ करने पर प्रार्थी से डरा धमका कर 15 लाख रुपये ले लेना स्वीकार की एवं उक्त पैसे से पंचशील नगर में एक प्लॉट खरीदना एवं पांच लाख रुपये बैंक खाते में होना पाया गया जिसे पुलिस द्वारा जब्त किया गया।

यूपी के नगरों को वैश्विक पहचान : दशकों बाद प्रशासनिक ढांचे का आमूल-चूल पुनर्गठन

जनसंख्या आधारित नई श्रेणियां, दोगुना हुआ मानवबल, पारदर्शी प्रशासन और गुणवत्तापूर्ण सेवाओं से तेज होगा शहरी विकास

-सुरेश गांधी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के नगरों को वैश्विक मानकों पर खरा उतारने की दिशा में योगी सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। कैबिनेट बैठक में नगर विकास विभाग के प्रस्ताव को मंजूरी देते हुए राज्य के सभी 762 नगरीय निकायों के प्रशासनिक ढांचे का दशकों बाद पुनर्गठन किया गया। सरकार का मानना है कि यह कदम उत्तर प्रदेश के नगरों को न केवल साफ-सुथरा और स्मार्ट बनाएगा, बल्कि वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भी मजबूत पहचान देगा।

नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने बताया कि बढ़ती शहरी आबादी को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं और पारदर्शी प्रशासन मुहैया कराने के लिए नगर निगमों और नगर पालिकाओं को नई श्रेणियों में बांटा गया है। अब 20 लाख से अधिक जनसंख्या वाले नगर निगम– लखनऊ, कानपुर, गाजियाबाद, आगरा, वाराणसी और प्रयागराज– प्रथम श्रेणी में आएंगे।

10 से 20 लाख आबादी वाले नगर निगम–मेरठ, गोरखपुर, मुरादाबाद, बरेली, अलीगढ़, मथुरा-वृंदावन और अयोध्या–द्वितीय श्रेणी में होंगे। जबकि 10 लाख से कम जनसंख्या वाले झांसी, सहारनपुर, फिरोजाबाद और शाहजहांपुर तृतीय श्रेणी में शामिल किए गए हैं। अयोध्या और मथुरा-वृंदावन को वहां की भारी फ्लोटिंग जनसंख्या को देखते हुए विशेष तौर पर दूसरी श्रेणी में रखा गया है। नगर पालिकाओं को भी तीन श्रेणियों में विभक्त किया गया है। तीन लाख से अधिक आबादी वाले नगर पालिकाएं प्रथम श्रेणी, जिला मुख्यालय वाली द्वितीय श्रेणी, जबकि शेष को तृतीय श्रेणी में रखा गया है। मंत्री शर्मा ने कहा, जी-20 कार्यक्रमों के बाद से ही हमने अपने नगरों को वैश्विक स्वरूप देने और जीवन गुणवत्ता में प्रतिस्पर्धा लाने का संकल्प लिया था। अब जोनल ऑफिस से लेकर पर्यावरण व नियोजन जैसी नई सेवाएं जोड़ने तक, यह बदलाव उसी दिशा में बड़ा कदम है।

नई व्यवस्था के प्रमुख बिंदुः

जोनल ऑफिसः नागरिकों को मुख्यालय तक न आना पड़े, इसके लिए हर नगर निगम में 3 से 8 जोन बनाए जाएंगे।

मानवबल दोगुनाः नगर विकास विभाग का केंद्रीय स्टाफ 3085 से बढ़ाकर 6686 किया जाएगा। नई सेवाएंः पर्यावरण और शहरी नियोजन को नगर निकायों की प्रमुख जिम्मेदारियों में जोड़ा गया।

आधुनिक भर्ती नियमः कर्मियों की सेवा शर्तें और भर्ती मानदंड समयानुकूल बनाए जाएंगे।

मानव तस्करीः फ्रांस से ब्रिटेन जा रही नौका में दो महिलाओं की मौत, 17 प्रवासी तोड़ चुके दम

फ्रांस। फ्रांस से ब्रिटेन जा रही एक प्रवासियों की नौका में शनिवार सुबह दो महिलाओं की मौत हो गई। फ्रांसीसी अधिकारियों ने बताया कि यह घटना न्यूफचैटेल-हादेलौट के तट के पास हुई। अधिकारियों के अनुसार, बचावकर्मियों ने नौका पर सवार महिलाओं को हृदयाघात की स्थिति में पाया। उन्हें तुरंत बचाने की कोशिश की गई, लेकिन वे बचाई नहीं जा सकीं। इसके अलावा, नौका पर मौजूद एक दंपति और उनका बच्चा गंभीर रूप से ठंड (हाइपोथर्मिया) का शिकार हुए, जिन्हें तुरंत बोलोग्ने के अस्पताल में भर्ती कराया गया। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, नौका पर 60 से अधिक प्रवासी सवार थे, जिन्हें बचा लिया गया। अधिकारियों ने कहा कि साल की शुरूआत से अब तक 17 प्रवासियों की मौत हो चुकी है, जो छोटे नावों में ब्रिटेन पहुंचने का प्रयास कर रहे थे। फ्रांस और ब्रिटेन की सीमाओं पर लगातार प्रवासियों का खतरा बढ़ रहा है। यह घटना इंग्लिश चैनल में मानव तस्करी और जोखिमपूर्ण नौका यात्रा के मुद्दे को फिर से उजागर करती है। सुरक्षा एजेंसियों और स्थानीय प्रशासन ने चेतावनी दी है कि जोखिम भरी नौकाएं, ठंडी जलवायु और भीड़ के कारण यात्रियों की जान खतरे में पड़ सकती है। स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि उन्हें चैनल पार करने वाले प्रवासियों के लिए अत्यधिक सतर्कता और बचाव उपाय अपनाने की जरूरत है। साथ ही दोनों देशों ने मिलकर इन नौकाओं और तस्करी नेटवर्क पर निगरानी बढ़ाने की भी योजना बनाई है।

स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत एक पेड़ मां के नाम

गोरख सिंह कॉलेज में प्रशिक्षित छात्राओं ने लगाई फलदार पौधा

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज शहर के गोरख सिंह कॉलेज में स्वच्छता पखवारा के अन्तर्गत, एक पेड माँ के नाम₹ अभियान के तहत शनिवार को वृहत स्तर पर पौधारोपण तथा पौधा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में संस्था के अध्यक्ष सह निदेशक डॉ अभय कुमार सिंह, शैक्षणिक निदेशिका श्रीमती वीणा सिंह, प्राचार्य डॉ० अश्वनी कुमार सिंह, सभी प्राध्यापक गण, गैर शैक्षणिक कर्मचारी तथा प्रशिक्षुओं ने भाग लिया, कार्यक्रम में संस्था निदेशक प्रो०अभय कुमार सिंह ने कहा कि एक पेड माँ के नाम यह केवल पर्यावरणीय जागरुकता नही बल्कि भावनात्मक जुडाव का प्रतीक भी है। पौधे लगाकर हम माँ को सच्चा सम्मान दे सकते है, और आनेवाली पीढियों को सुरक्षित पर्यावरण प्रदान कर सकते है। शैक्षणिक निदेशिका श्रीमती वीणा सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि वृक्ष हमें जीवनदायिनी प्राण वायु प्रदान करते है, उनकी रक्षा करना हमारा नैतिक दायित्व है। यदि हम आज पौधे लगायेंगें तो कल के वृक्ष से हमारी आनेवाली पीढियाँ सुरक्षित रहेंगीं। वही कॉलेज के प्राचार्य द्वारा सभी लोगों से अपील की गई कि वे अपने आसपास अधिक से अधिक पौधे लगायें और उनकी रक्षा के लिए जिम्मेदारी भी स्वंय उठाएं , जिससे धरती को हरा-भरा और जीवन योग्य बनाए रखा जा सकें। इस अवसर पर प्राध्यापक डॉ. आर्चना मिश्रा, राकेश कुमार वर्मा, शीतला प्रसाद वर्मा, उदय प्रताप, डॉ. संदीप तिवारी, डॉ. मंजीत कुमार, डॉ. सोनू कुमार यादव, डॉ. राजनाथ, मनोज कुमार, सुनिल गिरी, श्रीमती कृष्णा सिंह, राहुल कुमार, कम्प्यूटर ऑपरेटर प्रदीप कुमार, रंजन कुमार सिंह इत्यादि मौजुद रहें।

पूजा पंडाल की सफाई पर कर्मियों को ईओ ने दिया सख्त निर्देश

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज नगर पंचायत के शहरी क्षेत्र में दुर्गा पूजा पंडाल की साफ-सफाई को लेकर नगर निगम प्रशासन ने सफाई कर्मियों की तैनाती की है। इसमें स्थायी, अतिरिक्त और आउटसोर्सिंग कर्मी शामिल हैं। जो अपने-अपने वार्ड में उपस्थित रह कर वहां की साफ-सफाई, खास कर पूजा पंडाल के आस-पास साफ-सफाई सुनिश्चित करायेंगे। नगर पंचायत क्षेत्र के अंतर्गत सभी पूजा पंडालों व आसपास के क्षेत्र में सफाई के विशेष इंतजाम की गई है। कर्मियों को वर्दी में रहने की हिदायत दी गयी है। दिन-रात सफाई के साथ ही कचरा उठाव जारी रहेगा। इसको लेकर नगरपंचायत विशेष दिशा-निर्देश जारी किया है। सफाई कार्य की निगरानी के लिए विशेष पर्यवेक्षक टीम को लगाया गया है। इसको लेकर नगर ईओ हरिश्चंद्र के द्वारा दुर्गा पूजा पंडाल व उसके आसपास सफाई के लिए कर्मियों की तैनाती का निर्देश दिया है। नगर पंचायत प्रयासरत है कि श्रद्धालु स्वच्छ व सुरक्षित वातावरण में त्योहार का आनंद लें। प्रयास किया जा रहा है कि पूजा के दौरान पूरे शहर में स्वच्छता, सफाई और सुव्यवस्था बनी रहे।

शिविर में शून्य खपत वाले उपभोक्ताओं का सम्मान

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज में सेवा पखवाड़ा 2025 के तहत, विद्युत विभाग ने सबडिवीजन स्तर पर शिविर का आयोजन किया। इस विशेष आयोजन में शून्य खपत वाले विद्युत उपभोक्ताओं को सम्मानित करने का संदेश दिया गया। साथ ही, उपभोक्ताओं को विभाग द्वारा संचालित मुफ्त बिजली योजनाओं और साइबर ठगी से बचाव के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। शिविर का मुख्य केंद्र मुख्यमंत्री विद्युत उपभोक्ता सहायता योजना रहा इसके तहत, सभी घरेलू उपभोक्ताओं को जुलाई महीने से ही 125 यूनिट तक बिजली की खपत बिल्कुल निशुल्क मिलने की बात कही गई। इसके अतिरिक्त, सोलर ऊर्जा को बढ़ावा वाली प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की भी जानकारी दी गई। इस योजना में सोलर अधिष्ठापन के लिए देने बिजली सब्सिडी का प्रावधान के बारे में बताया गया। विद्युत एसडीओ दिलीप कुमार ने बताया कि विभाग बिजली से संबंधित साइबर ठगी की घटनाओं से उपभोक्ताओं को बचाने के लिए एक व्यापक जागरूकता अभियान चला रहा है। आयोजित शिविर में स्मार्ट मीटर, विद्युत आपूर्ति, विपत्र सुधार, भुगतान, नए विद्युत संबंध, कृषि विद्युत संबंध, गलत रीडिंग और खराब मीटर से संबंधित उपभोक्ताओं की विभिन्न शिकायतों का समाधान किया गया।

ख्वाजा आसिफ ने बताया सऊदी रक्षा समझौते का सच, बोले–अब कोई लेन–देन नहीं

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा है कि सऊदी अरब के साथ हाल ही में हस्ताक्षरित रणनीतिक पारस्परिक रक्षा समझौते ने दोनों देशों के बीच संबंधों को पहले थोड़ा लेन-देन आधारित से अब औपचारिक रूप दिया है। पाकिस्तान और सऊदी अरब ने पिछले सप्ताह रियाद में रणनीतिक पारस्परिक रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसमें यह संकल्प जताया गया कि किसी भी देश पर हमले को दोनों के विरुद्ध हमले का कृत्य माना जाएगा। इससे पहले, आसिफ ने सुझाव दिया था कि नए ढांचे के तहत पाकिस्तान की परमाणु क्षमताएं रियाद को उपलब्ध कराई जा सकती हैं। हालांकि, बाद में एक साक्षात्कार में, मंत्री ने इस बात से इनकार किया कि परमाणु हथियार समझौते का हिस्सा थे, और कहा कि वे एजेंडा में बिल्कुल नहीं थे।

डॉन' अखबार की खबर के अनुसार, जेटियो' के साथ एक साक्षात्कार के दौरान पत्रकार मेहदी हसन के एक सवाल के जवाब में आसिफ ने कहा, यह कतर में जो हुआ उसकी प्रतिक्रिया नहीं है, क्योंकि इस पर काफी समय से बातचीत चल रही थी। इसलिए, यह कोई प्रतिक्रिया नहीं है; शायद इसमें थोड़ी तेजी आई होगी, लेकिन बस इतना ही। यह पहले से ही तय था। हसन ने आसिफ से पूछा था कि क्या यह समझौता कतर पर इजराइली बमबारी की प्रतिक्रिया है? हसन ने कहा कि मुस्लिम जगत में पाकिस्तान एकमात्र परमाणु शक्ति है, और सऊदी अरब ने दूसरी परमाणु शक्ति बनने में रुचि दिखाई है। उन्होंने यह भी बताया कि आसिफ ने पहले कहा था कि इस समझौते में परमाणु हथियारों पर विचार नहीं किया जा रहा है। उन्होंने पूछा, क्या इस समझौते के अनुसार सऊदी अरब को पाकिस्तान की परमाणु छतरी से सुरक्षा प्राप्त है या नहीं? आसिफ ने कहा, सऊदी अरब के साथ हमारे रक्षा संबंध पांच-छह दशकों से चले आ रहे हैं। वहां हमारी सैन्य उपस्थिति थी, चरम पर तो शायद चार-पांच हजार से भी ज्यादा, और आज भी वहां हमारी सैन्य उपस्थिति है। मुझे लगता है कि हमने उस रिश्ते को औपचारिक रूप दे दिया है, जो पहले कुछ हद तक लेन-देन आधारित था। हसन ने पूछा, परमाणु हथियारों के साथ या बिना परमाणु हथियारों के औपचारिक रूप दिया गया? मंत्री ने हालांकि विस्तार से इस बारे में बताने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, मैं विस्तार से बताने से परहेज करूंगा, लेकिन यह एक रक्षा समझौता है और रक्षा समझौतों पर आमतौर पर सार्वजनिक रूप से चर्चा नहीं की जाती।

फर्जी कॉल सेंटर से दवाओं के नाम पर हो रही थी ठगी, 4 महिलाओं सहित 11 गिरफ्तार

गुड़गांव। कथित डॉक्टरों द्वारा सेक्सवर्धक दवाएं बेचने के नाम पर अवैध रूप से कॉल सेंटर चलाने का गुड़गांव पुलिस की साइबर अपराध पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने 4 महिलाओं सहित 11 लोगों को गिरफ्तार किया है जो इंस्टाग्राम के माध्यम से दवाओं का विज्ञापन देकर लोगों से ठगी करते थे। आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने 13 मोबाइल, सेक्सवर्धक नकली दवाओं के 54 कैप्सूल बॉक्स व 35 ऑयल स्प्रे बोतल भी बरामद की हैं।

पुलिस के मुताबिक, साइबर अपराध दक्षिण थाना प्रभारी इंस्पेक्टर नवीन कुमार को सूचना मिली थी कि कुछ लोगों द्वारा इंस्टाग्राम पर सेक्सवर्धन दवाओं का विज्ञापन देकर लोगों से ठगी की जा रही है। इस सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उद्योग विहार फेज-5 में बनी बिल्डिंग के बेसमेंट में संचालित एक कॉल सेंटर पर रेड की। यहां से 7 लड़के व 4 लड़कियों को काबू किया गया जिनकी पहचान न्यू कॉलोनी गुड़गांव निवासी पीयूष कुमार दिल्ली के गांव डेरा निवासी अभिषेक शर्मा, कन्हैया नगर दिल्ली निवासी चेतन सैनी कापसहेड़ा दिल्ली निवासी देव सिंह, झडेला दिल्ली निवासी अल्ताफ अंसारी बदायूं उत्तर प्रदेश निवासी नीरज कुमार, गांव डेरा दिल्ली निवासी अरुण भारद्वाज, सेक्टर-17 गुड़गांव निवासी किरण कापसहेड़ा दिल्ली निवासी जूही सरहौल गुड़गांव निवासी मोनी व कापसहेड़ा दिल्ली निवासी सिमरन के रूप में हुई।

आरोपियों से प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि आरोपी पीयूष उपरोक्त कॉल सेंटर का मालिक व उसके द्वारा ही सेक्सवर्धक दवाईयां का विज्ञापन इंस्टाग्राम व फेसबुक पर करवाया जाता है। जब भी कोई व्यक्ति इनके विज्ञापन देखकर फार्म भरते है तो कॉल सेंटर पर बैठी इनकी टीम आरोपी उससे संपर्क करके फर्जी डॉक्टर बनकर उसे नकली दवाइयां बेचते हैं और ऑनलाइन पेमेंट करवाकर ठगी करते हैं। दवाइयां दिल्ली से किसी व्यक्ति से 50/100 रुपए में खरीदकर उसे 2000 रुपए से भी अधिक कीमत पर बेच देते हैं। इंस्टाग्राम व फेसबुक पर विज्ञापन का काम शिव कुमार करता है व बाकी टीम कॉल के माध्यम से उपरोक्त दवाइयां बेचती है। आरोपी लड़कियां व लड़को को 15 से 20 हजार रुपए प्रति माह वेतन मिलता है व ठगी करने पर अलग से 3% कमीशन दिया जाता है। पुलिस टीम ने 4 आरोपी महिलाओं को मामले की जांच में शामिल किया है व बाकी 7 आरोपियों को अदालत में पेश कर जेल भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कोलंबियाई राष्ट्रपति की अमेरिकी सैनिकों को सलाह, मत मानों ट्रंप के आदेश

न्यूयॉर्क। कोलंबियाई राष्ट्रपति गुस्तावो पेइत्रो ने न्यूयॉर्क में एक भाषण के दौरान अमेरिकी सैनिकों को चेतावनी दी और कहा, ह्लट्रंप के आदेशों का पालन मत करो, मानवता के आदेश का पालन करो। हथियार अत्याचारी पर होने चाहिए, आम लोगों पर नहीं। पेइत्रो ने अमेरिकी सैनिकों से कहा कि वे ऐसे आदेशों का पालन न करें जो नागरिकों को निशाना बनाते हों। उन्होंने यह भी कहा कि राइफलें केवल अत्याचारी और अन्यायपूर्ण सत्ता पर तानी जानी चाहिए, न कि आम जनता पर। पेइत्रो ने द्वितीय विश्व युद्ध के बलिदानों का हवाला देते हुए कहा कि सैनिकों का कर्तव्य स्वतंत्रता की रक्षा करना है और उन्हें अन्यायपूर्ण युद्धों में सहयोग नहीं करना चाहिए। उनके अनुसार, सच्चे सैनिक स्वतंत्रता और मानवता की रक्षा में अपने कर्तव्यों को समझें। पेइत्रो के इस बयान के तुरंत बाद ट्रंप प्रशासन ने कड़ा कदम उठाया। अमेरिकी अधिकारियों ने उनका वीजा रद्द कर दिया। यह कार्रवाई अमेरिका और पेइत्रो की बाईं सोच वाली सरकार के बीच अब तक की सबसे तीखी टकराहट मानी जा रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह टकराव अमेरिका और लैटिन अमेरिका के संबंधों पर असर डाल सकता है और वैश्विक स्तर पर राजनीतिक हलकों में बहस को बढ़ावा देगा।

मुंगेर में कब्रिस्तान की घेराबंदी को लेकर बवाल, दो पक्षों के बीच फायरिंग में एक युवक घायल

मुंगेर। बिहार के मुंगेर जिले के सफिया सराय थाना क्षेत्र में रविवार को कब्रिस्तान की घेराबंदी को लेकर दो समुदायों में विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों के बीच जमकर गोलीबारी और पथराव हुआ। इस घटना में एक युवक अंकुश कुमार को गोली लगी है, जिसके बाद उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ग्रामीणों ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच 20 राउंड से ज्यादा गोलियां चलीं। हालांकि पुलिस ने इस बात से इनकार किया है। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने हंगामा कर दिया और फरदा के पास लखीसराय-मुंगेर रोड को जाम कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक सहित कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची है।

स्थिति को कंट्रोल करने के लिए पुलिस ने हल्के बल का भी इस्तेमाल किया। बताया जा रहा है कि दोनों तरफ से 22 लोगों को हिरासत में लिया गया है। फिलहाल स्थिति कंट्रोल में है। बता दें कि पूर्व मुखिया प्रतिनिधि जमाल मलिक उर्फ बबलू मल्लिक और बांक फरदा टोला गांव निवासी दशरथ यादव के बीच तीन कट्ठे जमीन का विवाद चल रहा है। जमीन पूर्व मुखिया प्रतिनिधि के पेट्रोल पंप के पास है। यह मामला कोर्ट में चल रहा है। दो दिन पहले एक पक्ष ने सफिया सराय थाने की पुलिस से शिकायत की कि विवादित भूमि पर दूसरा पक्ष घेराबंदी कर रहा है। सफिया सराय थानाध्यक्ष अमरेश कुमार ने दोनों पक्ष को थाना बुलाया और तत्काल निर्माण पर रोक लगा दी। इसे लेकर शनिवार को विवाद हो गया और पत्थरबाजी के बाद गोलियां चलीं।

तहसीलदार की गुंडागर्दी! गए थे जमीनी विवाद सुलझाने लेकिन किसान का कालर पकड़कर दे दी मां की गाली

मऊगंज। मध्य प्रदेश के मऊगंज से बेहद ही हैरान करने वाला मामला सामने आया है या यूं कहे कि अधिकारी की सरेआम गुंडागर्दी देखने को मिली है। जानकारी के मुताबिक तहसीलदार वीरेंद्र गनिगमा गांव में जमीन का कब्जा दिलाने के लिए टीम के साथ पहुंचे थे। वहां किसानों से विवाद हो गया । तहसीलदार ने पद की गरिमा का ख्याल ने रखते हुए एक युवक का कॉलर पकड़ लिया और 2 कदम आगे बढ़ते हुए मां की गाली दे दी। देखते ही देखते माहौल गरम हो गया और तहसीलदार आपा खो बैठे। घटनाक्रम पर लोगों ने गहरी नाराजगी जताई है। मौके पर मौजूद लोगों ने तहसीलदार की हरकत का विरोध किया। लोगों ने कहा कि ये सरकारी कर्मचारी की गरिमा के खिलाफ है। वहीं युवक ने भी पूरे घटनाक्रम को लेकर उच्च अधिकारियों से शिकायत करने की चेतावनी दी है। दरअसल तहसीलदार वीरेंद्र पटेल जमीन संबंधी विवाद सुलझाने गए थे। इस दौरान वो आपा खो बैठे और किसानों से अभद्रता की। तहसीलदार पर हाथापाई करने के भी आरोप लगे हैं। किसानों ने तहसीलदार वीरेंद्र पटेल पर कार्रवाई करने की मांग की है। वहीं दूसरी ओर तहसीलदार ने मामले पर अपना पक्ष रखते हुए कहा है कि किसानों ने ही अभद्रता की है। लेकिन किसान सुषमेश पांडे और कौशलेश ने तहसीलदार पर अभद्रता के गंभीर आरोप लगाए हैं। आपको बता दें कि तहसीलदार का विवादों से पुराना नाता रहा है लिहाजा कलेक्टर संजय जैन ने मामले की जांच कराने की बात कही है।

भारत की बेटी संगीता जिसने यूएन में पाकिस्तानी पीएम की बखिया उधेड़ दी

इंदौर। संयुक्त राष्ट्र महासभा की 80वीं बैठक के दौरान एक बार भारत की ओर से पाकिस्तान को आइना दिखाया गया है। यू एन महासभा में भारत की एक बेटी ने पाक के झूठ को दुनिया के सामने उजागर करते हुए पाकिस्तानी प्रधानमंत्री की सच्चाई पूरी दुनिया के सामने खोल कर रख दी है। पाक पीएम सहबाद शरीफ के झूठ के बाद भारत की ओर से जनरल असेंबली में भारतीय डिप्लोमेट ने एक बार फिर सच्चाई सबके सामने रख दी है।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के संबोधन के बाद यूएन में भारत की ओर से डिप्लोमेट संगीता पटेल गहलोत में अपना पक्ष रखा, जिसमें उन्होंने पाकिस्तान को आंतकवाद के साथ साथ कई और मुद्दों पर बेनकाब कर दिया। संगीता पटेल ने पाकिस्तानी झूठ का रेशा-रेशा उधेड़कर रख दिया। वैश्विक मंच पर पाकिस्तान को बुरी तरह धोने वाली संगीता पटेल गहलोत कौन है, आपको संगीता पटेल के बारे में बताते हैं।

यूएन में भारत की ओर से नियुक्त डिप्लोमेट संगीता पटेल गहलोत भारतीय विदेश सेवा की अधिकारी हैं। उन्होंने 2015 में इंडियन फॉरेन सर्विस ज्वाइन किया। वह वर्तमान में संयुक्त राष्ट्र में भारतीय मिशन की फर्स्ट सेक्रेटरी के तौर पर पदस्थ हैं। इससे पहले वह भारतीय विदेश मंत्रालय के यूरोप वेस्ट डिवीजन, पेरिस और सैन फ्रांसिस्को के भारतीय मिश में अंडर सेक्रेटरी के तौर पर काम कर चुकीं हैं।

रिपोर्ट्स से मिली जानकारी के अनुसार, संगीता राजधानी दिल्ली की निवासी हैं, उनका जन्म यहीं हुआ था। उन्होंने मुंबई के सेंट जेवियर्स कॉलेज से राजनीति विज्ञान में ग्रेजुएशन किया है। उसके बाद दिल्ली विश्वविद्यालय के लेडी श्रीराम कॉलेज फॉर वीमेन से राजनीति विज्ञान में एमए किया हैं। 2015 में वह भारतीय प्रशासनिक सेवा में शामिल हुई। यूएन महासभा की बैठक के दौरान, संगीता पटेल ने पाकिस्तान की बखिया उधेड़कर रख थी। उन्होंने अपने भाषण में भारत की कूटनीति और विदेश नीति की साफ झलक पेश की। अपने भाषण से उन्होंने यह साफ कर दिया कि वैश्विक मंच हमारे राजनयिक अपनी बात मजबूती के साथ रखने में सक्षम है, पाकिस्तान जैसे देश के झूठ को दुनिया के सामने लाने के लिए भारत के अधिकारी ही काफी हैं। उन्होंने अपने भाषण के दौरान पाक पीएम खरी खरी सुना दी। संगीता ने अपने भाषण में कहा कि पेटल ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना द्वारा कई पाकिस्तानी हवाई ठिकानों को तबाह किया गया। उस क्षति की तस्वीरें, जाहिर है, सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं। 'अगर नष्ट हुए रनवे और जले हुए हैंगर जीत की तरह दिखते हैं, जैसा कि प्रधानमंत्री ने दावा किया है, तो पाकिस्तान इसका आनंद ले सकता है।'

राजा भैया की बेटी राघवी सिंह की सीएम योगी से भावुक अपील, पिता पर लगाए एक से बढ़कर एक आरोप

प्रतापगढ़ के कुंडा से विधायक और पूर्व मंत्री राजा भैया (कुंवर रघुराज प्रताप सिंह) की पारिवारिक कलह अब सार्वजनिक मंचों पर सामने आने लगी है। उनकी बड़ी बेटी राघवी सिंह ने अब खुलकर अपने पिता के विरोध में मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने कहा कि यूपी में न्याय मांगने की कोशिश कीजिए, तो 10 मुकदमे और हो जाते हैं। क्योंकि ये सब सरकार के इशारे पर हो रहा है।

राघवी ने मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से सीधा सवाल किया और कहा कि, ₹अगर हमारी मदद नहीं कर सकते तो हमें गोली मरवा दीजिए, लेकिन हमारे हाथ-पैर मत काटिए।₹ यह बयान उस वक्त आया जब राघवी ने आरोप लगाया कि उनकी मां भानवी सिंह पर प्रशासनिक दबाव बनाकर कानूनी कार्रवाई की जा रही है और योगी सरकार इस पूरे मामले में राजा भैया का साथ दे रही है।

उन्होंने आगे आरोप लगाया है कि उनकी मां के खिलाफ सरकार के समर्थन से फर्जी मुकदमे दर्ज कराए जा रहे हैं, जिसकी पीड़ा अब वे झेल नहीं पाएंगी। उन्होंने एक नए क्रिमिनल कंप्लेन का जिक्र किया है, जो अजय सिंह राणा नामक किसी अनजान आदमी ने दर्ज कराई है। राघवी ने कहा कि इस कंप्लेन में निराधार आरोप लगाकर उनकी मां को फैजाबाद बुलाया जा रहा है, जहां वे कभी गई भी नहीं हैं। उन्होंने यह भी बताया कि हजरतगंज थाने में भी फर्जी FIR और मुकदमे चल रहे हैं, लेकिन जब डीसीपी से बात की जाती है तो वे कहते हैं कि उन्हें जानकारी नहीं है और यह 'ऊपर का मामला' है, जिसका उनके पास वॉइस रिकॉर्डिंग के रूप में प्रमाण भी है। राघवी का कहना है कि उनकी मां को लगातार प्रताड़ित किया जा रहा है, जिससे पूरा परिवार मानसिक तनाव में है। राघवी के साथ उनकी छोटी बहन भी अपनी मां के पक्ष में हैं, जबकि राजा भैया के दोनों बेटे उनके समर्थन में दिखाई दे रहे हैं। इस बयान के बाद राजा भैया के निजी और राजनीतिक जीवन में मची हलचल एक बार फिर सुर्खियों में आ गई है। वहीं, मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

क्रॉम्पटन ने पेश की ड्यूरा सीरीज

रांची। पानी की सप्लाई की बात हो तो हर कोई ऐसी मशीन चाहता है जो टिकाऊ हो और सालों तक भरोसेमंद काम करे। ग्राहकों की इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए, भारत की अग्रणी कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स कंपनी क्रॉम्पटन ग्रीव्स कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ने अपनी नई ड्यूरा सीरीज सबमर्सिबल पंप्स (३ डब्लू, ४ डब्लू और ४ भी ओ सीरीज) लॉन्च की है। ८० साल से अधिक के अनुभव के साथ तैयार की गई यह रेंज घरों, खेती और उद्योग सभी के लिए उपयुक्त है। क्रॉम्पटन ग्रीव्स कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड के बिजनेस हेड, होम इलेक्ट्रिकल्स और पंप्स, रजत चोपड़ा ने लॉन्च के अवसर पर कहा, ग्राहकों के लिए सबमर्सिबल पंप्स चुनते समय सबसे अहम बात टिकाऊपन और भरोसेमंद परफॉर्मेंस होती है।